जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 19 प्रभात अजमेर, मंगलवार 19 अगस्त, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अशोक गहलोत की सोनिया गांधी से मिलने की हर कोशिश नाकाम हो रही है दिल्ली में

अतः अब गहलोत ने राजीव गांधी स्टडी सर्किल का रास्ता चुना है, सोनिया गांधी का दरवाजा खटखटाने के लिए

- 20 अगस्त को दिवंगत राजीव गांधी का जन्म दिन है, अतः गहलोत, राजीव गांधी स्टडी सर्किल के कुछ सदस्यों को साथ लेकर दिल्ली पहुंच रहे हैं, तथा राजीव गांधी फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने का प्रयास करेंगे, क्योंकि राजीव गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष में कई प्रोग्राम आयोजित किये जाते हैं।
- राजीव गांधी स्टडी सर्किल यह जताने का प्रयास करेगा कि वह राजीव गांधी के आदर्शों के प्रति पूरी तरह वफादार है। पर, सच यह है, कि गहलोत का राजीव गांधी स्टडी सर्किल उन दिनों में ही ''एक्टिव'' होता है, जब गहलोत सत्ता में नहीं होते, तथा निष्क्रिय हो जाता है, गहलोत के सत्ता में आते ही।
- राजस्थान में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के वरिष्ठ सदस्य हैं, सुभाष गर्ग जो गहलोत सरकार में मंत्री थे, तथा अब एनडीए में हैं तथा पेपर लीक प्रकरण में भी काफी चर्चित रहे हैं।
- गहलोत के अभी भी कई मित्र हैं, ए.आई.सी.सी. में, पर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत के बाद, अब गहलोत के मित्रों की सूची में सोनिया गांधी, राहुल गांधी का नाम शामिल नहीं है।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 अगस्त। अशोक गहलोत सोनिया गांधी से मिलने के लिए बेताब हैं। जैसे-जैसे दिन, महीने और साल बीत रहे हैं, उनकी यह बेचैनी बढ़ती जा रही है, क्योंकि अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद वह उस बग़ावत के बाद से सोनिया गांधी से मुलाक़ात नहीं कर पाए हैं, जिसने 10 जनपथ के दरवाज़े उनके लिए बंद कर दिए थे।

लेकिन गहलोत हार मानने वालों में से नहीं हैं। अब उन्होंने सोनिया गांधी से मिलने के लिए एक नया तरीका खोजा है।

20 अगस्त पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती है। इस अवसर पर उन्हें याद करने और सम्मान देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत ने एक राजीव गांधी स्टडी सर्कल बना रखा है। जब गहलोत सत्ता से बाहर होते हैं तब यह संगठन सक्रिय होता है और उनके सत्ता में आने पर लगभग भुला दिया जाता है।

गहलोत को अब यह आईडिया आया है कि स्टडी सर्कल के ज़रिये वह राजीव गांधी फ़ाउंडेशन तक पहुँच सकते हैं, जिसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसी बहाने वह सोनिया गांधी से मुलाक़ात कर पाएंगे।

गहलोत कल स्टडी सर्कल के सदस्यों के साथ दिल्ली पहुँच रहे हैं। यह टीम दिल्ली में राजीव गांधी और उनकी विरासत के प्रति अपनी निष्ठा दिखाने का प्रयास करेगी।

दिलचस्प बात यह है कि स्टडी सर्कल के एक अहम सदस्य सुभाष गर्ग, जो गहलोत सरकार में मंत्री रहे और पहले लोकदल में थे, राजस्थान के चर्चित पेपर लीक मामले में फँसे पाए गए हैं। गर्ग अब एनडीए में हैं, लेकिन फिर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जर्जर स्कूलों की स्थिति पर इमारतों के मामले में हाईकोर्ट ने न्याय मित्र नियुक्त किये

जयपुर, 18 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की स्कूलों की इमारतों की बदहाल स्थिति से जुड़े मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए 22 अगस्त तक का समय दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में अदालत का सहयोग करने के लिए महेन्द्र शांडिल्य, एसएस होरा और तन्मय ढंड को न्यायमित्र नियुक्त किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत को सहयोग देने के लिये महेन्द्र शांडिल्य, एसएस होरा तथा तन्मय ढंड को न्यायमित्र नियुक्त किया गया है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मामले में जल्दी ही जवाब पेश कर दिया जाएगा। वहीं अन्य पक्षकारों ने भी जवाब के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले में सुनवाई 22 अगस्त को तय की है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने गत 28 जुलाई को प्रदेश की सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों सहित उनमें संसाधनों की कमी को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही अदालत ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया गठबन्धन मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए प्रस्ताव लायेगा संसद में

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की भी वही प्रक्रिया अपनानी पड़ती है, जो सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने के लिए अख्तियार करनी होती है

- इण्डिया गठबन्धन का मानना है कि वह अपने प्रस्ताव पर पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त कर लेगा, चाहे प्रस्ताव को संसद में पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त न कर पाये।
- इण्डिया गठबंधन का मानना है कि संख्या बल का, ''प्री-टेस्ट'' वह दोनों सदनों में पूर्णतया कार्यवाही न चलने देने के अभियान से कर चुका है। पर हटाने का प्रस्ताव पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए, संसद में। लेकिन, केवल पचास सांसदों के हस्ताक्षर चाहिए प्रस्ताव को संसद में पेश करने के लिए।
- राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन यात्रा शुरू करने से पहले, तेजस्वी यादव व विकासशील इन्सान पार्टी के मुकेश सहनी के साथ औरंगाबाद में स्थित देवकुण्ड, सूर्य मंदिर में पूजा अर्चना की। यात्रा, सोमवार की शाम को गया पहुंचेगी और 16 दिन बाद यात्रा का समापन पटना में होगा।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 अगस्त। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अपने आरोपों के समर्थन में सात दिनों के भीतर शपथपत्र दाखिल करने या पूरे देश से माफी मांगने की मांग किए जाने के बाद विपक्षी इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग प्रमुख के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, महाभियोग का मुद्दा सोमवार सुबह संसद सत्र से पहले गठबंधन के सहयोगी दलों की बैठक में चर्चा के लिए उठा।

विपक्ष ने संसद में बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए वही आधार हैं जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने के लिए होते हैं।

महाभियोग प्रस्ताव को पारित करने के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। हालांकि इंडिया गठबंधन आवश्यक हस्ताक्षर जुटा सकता है, लेकिन प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष ने एक बार फिर राज्यसभा से वॉक आउट किया

विपक्षी सांसद बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कवायद पर चर्चा की मांग कर रहे थे

- सदन के सबसे पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग की, जिसका अन्य विपक्षी सांसदों ने भी समर्थन किया।
- पर आसन ने कहा, मामला हाईकोर्ट में है इसलिए चर्चा नहीं होगी, फिर विपक्ष ने भारी नारेबाजी के बीच सदन से वॉक आउट किया। इसके बाद दिन में ढाई बजे सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। विपक्षी सांसदों ने सोमवार को राज्यसभा में बिहार की मतदाता सूची संशोधन पर चर्चा की मांग को लेकर वॉकआउट कर दिया।

दोपहर में जब डॉ. सस्मित पात्रा (बीजेडी) सदन की अध्यक्षता कर रहे थे, तब सदन ने ''इंडियन पोर्ट्स बिल'' पर चर्चा की, जो 1908 के ब्रिटिशकालीन कानून की जगह लेगा। यह चर्चा दो घंटे से अधिक चली और विपक्ष की अनुपस्थिति के कारण बिना किसी बाधा के हुई। बिल को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया और विपक्ष द्वारा दिए गए सभी संशोधन वॉकआउट की वजह से गिर गए।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े होकर बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग कर रहे थे। उनके साथ अन्य विपक्षी सांसद भी इस मुद्दे पर चर्चा की मांग में शामिल हुए।

हालांकि, पीठासीन अधिकारी ने यह कहते हुए चर्चा से इंकार कर दिया कि मामला अदालत में लंबित है। इससे विपक्षी सांसदों ने नारेबाज़ी शुरू कर दी और अंततः सदन से बाहर चले गए। इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही थोड़ी देर चली और फिर दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

लोकसभा का भी हाल यही रहा। प्रश्नकाल से लेकर दोपहर 2 बजे तक लगातार हंगामा होता रहा। दोपहर में जब सदन दोबारा 2 बजे बैठक के लिए जुटा तो बिहार मतदाता सूची को लेकर फिर से हंगामा शुरू हो गया। इसके चलते पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने ढाई बजे लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

रिटायर्ड कैप्टन को टक्कर मारने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर, 18 अगस्त। चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन को टक्कर मार कर फरार होने वाली महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस हादसे के बाद आधा किमी दूर कार रोक कर उसने कार में फंसी साईकिल निकाली थी।

पुलिस के अनुसार गांधी पथ क्षेत्र में साइकिल चला रहे सेना के रिटायर्ड कैप्टन 64 वर्षीय नरसाराम को टक्कर

- आरोपी महिला सॉफ्ट वेयर इंजीनियर है तथा वैशाली नगर निवासी है।

मारने वाली एसयूवी की चालक महिला है, जिसकी पहचान सुरभि (40) वैशाली नगर निवासी के रुप में की गई। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर सुरभि कार से लालरपुरा गांधी पथ होते हुए वैशाली नगर जा रही थी। इस दौरान बेटा भी साथ था। टक्कर लगने के बाद साइकिल कार में फंस गई। इसके बाद सुरभि ने करीब आधा किलोमीटर दूर जाकर गांधी पथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अलास्का बैठक में ट्रम्प की ''बॉडी लैंग्वेज'' हारे हुए खिलाड़ी की क्यों थी?

ऐसा लगता है कि उन्हें पुतिन की हर तो माननी पड़ी ही, पर, साथ में राष्ट्रपति पुतिन का ''निरर्थक सा'' पूरा भाषण भी मजबूरन सुनना पड़ा

- पुतिन को क्रीमिया, डोनबास आदि भूमि देने का वादा सा किया है ट्रम्प ने। तथा , साथ ही युक्रेन को नाटो की सदस्यता का सपना देखना छोड़ना पड़ेगा। संभवतया, पुतिन की एक ही बात नहीं मानी जायेगी, कि, युक्रेन का एक देश के रुप अस्तित्व खत्म हो जाए।
- भारत को सम्भवतया इस बात से संतोष करना पड़ेगा कि, पुतिन ने स्वयम् फोन करके प्र.मंत्री मोदी को मुलाकात का विवरण बताया, अतः भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय जगत में एक महत्वपूर्ण भूमिका पाई और ऐसा कहा जा रहा है, कि विदेश मंत्रालय इस फोन कॉल का ''ट्रांसक्रिप्शन'' प्रसारित करेगा।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। वॉशिंगटन में आज रात अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की के बीच हो रही बहुप्रतीक्षित बैठक से, यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए एक संभावित समझौते की कुछ रूपरेखाएं धुंधली ही सही, लेकिन उभरती हुई दिख रही हैं।

यह संभावनाएं मुख्य रूप से यूक्रेन द्वारा ज़मीन पर रियायतें देने और रूस द्वारा यूक्रेन के लिए अमेरिका की सुरक्षा गारंटी को स्वीकारने के इर्द-गिर्द घूमती हैं। यह यूक्रेन के लिए एक तरह का अपने रुख से पीछे हटने जैसा है, क्योंकि इसके तहत उसे भविष्य में नाटो की सदस्यता लेने की योजना को भी छोड़ना पड़ेगा।

लेकिन इस पूरी कूटनीतिक प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण बात भारत की अनिच्छुक भूमिका है।

जहाँ एक ओर भारत ने लगातार संवाद और तत्काल युद्धविराम के ज़रिए क्षेत्र में शांति लाने की मांग की है, वहीं भारत खुद इस पूरे भंवर के केंद्र में आ गया है। यह भारत ही है जो रूस से तेल खरीद जारी रखने के कारण अमेरिका की तरफ से द्वितीयक प्रतिबंध का पहला निशाना बना है।

दूसरी ओर, यह भी भारत ही है जिसे रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अलास्का में हुई वार्ता की जानकारी देने के लिए फ़ोन किया। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय ने मोदी-पुतिन बातचीत का आधिकारिक ब्यौरा भी जारी किया।

संयोगवश, यह स्पष्ट नहीं है - यहाँ तक कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्टिंग से भी - कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी इस शिखर वार्ता के बाद जानकारी दी गई है या नहीं। रूसी राष्ट्रपति ने केवल कुछ चुनिंदा देशों, जिनमें भारत और कज़ाकिस्तान व ताजिकिस्तान जैसे पूर्व सोवियत मध्य एशियाई देश शामिल हैं, को फ़ोन किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, अलास्का शिखर वार्ता के परिणामों से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट रहे, जिसकी झलक उनके हावभाव से भी दिखाई दी। बैठक के बाद पुतिन ने कुछ महत्वहीन बातें कहीं, जिन्हें ट्रंप को मजबूरी में सुनना पड़ा।

डॉनाल्ड ट्रंप अभी तक भी रूस के खिलाफ उस सख्त दंडात्मक कार्रवाई को शुरू नहीं कर सके हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था। उन्होंने कहा था कि अगर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू के बेटे तेज प्रताप ने बनाई नई पार्टी

पटना, 18 अगस्त। तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम 'जनशक्ति जनता दल' रखा है। वो इस पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए चुनाव आयोग गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तेज प्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने इसी पार्टी

- तेज प्रताप ने पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा है, वो पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने चुनाव आयोग कार्यालय गए थे।

से चुनाव लड़ा था। उन्हें चुनाव चिन्ह के रूप में बांसुरी मिली है। अनुष्का यादव मामले के बाद तेज प्रताप को उनके पिता लालू यादव ने आरजेडी से निकाल दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि तेज प्रताप यादव नई पार्टी रजिस्टर करने के लिए आवेदन लेकर आए थे। इससे पहले तेज प्रताप यादव टीम तेज प्रताप यादव के नाम से प्रचार कर रही थी। अब उन्होंने अपनी नई पार्टी बना ली है।

'भारत पर ''डबल पैनल्टी'' लगाने से रूस टेबल पर आया बातचीत के लिए'

ट्रम्प ने यह अजीबोगरीब तर्क दिया, भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ व 25 प्रतिशत पैनल्टी लगाने को सही ठहराने के प्रयास में

- दूसरी ओर अमेरिका के ''विदेश सचिव'' (विदेश मंत्री) मार्को रूबियो ने ''फॉक्स न्यूज'' से बातचीत में यह स्वीकार किया कि अमेरिका एलाइज़ (मित्र राष्ट्रों) में काफी बेचैनी है, कि अमेरिका की टैरिफ नीति किसी सिद्धांत पर आधारित नहीं है, बल्कि ''जियोपॉलिटिकल'' (अन्तरराष्ट्रीय) स्थिति की मजबूरी के आधार पर बनी है।
- अमेरिका चीन के खिलाफ ''पैनल्टी'' इसलिए नहीं लगा रहा है, क्योंकि, इस पैनल्टी से अन्तरराष्ट्रीय ऑयल मार्केट में भूचाल आ जायेगा। भारत पर हाई टैरिफ व पैनल्टी लगाने से भारत अमेरिका सम्बन्धों में कुछ कटुता जरूर आई है, हालांकि, दोनों देश, भारत व चीन, रूस से ऑयल खरीदने का ''अपराध'' कर रहे हैं, अमेरिका की दृष्टि में।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। वॉशिंगटन की प्रतिबंध नीति (सैंक्शन पॉलिसी) एक बार फिर विवादों में है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने साफ़ कहा कि अगर रूसी तेल रिफाइन करने को लेकर चीन पर सेकेंडरी सैंक्शन लगाए गए, तो वैश्विक ऊर्जा बाज़ार हिल जाएगा, लेकिन, फिर भी, बीज़िंग नहीं, बल्कि भारत अमेरिकी दंड का सामना कर रहा है। इस विरोधाभास ने वॉशिंगटन की रणनीति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है, अमेरिका पर दोहरे मापदंड के आरोप लगे हैं और भारत को अपने सबसे ताक़तवर साझेदार के साथ मुश्किल रिश्तों का सामना करना पड़ रहा है।

फ़ॉक्स न्यूज़ से बातचीत में रूबियो ने चेतावनी दी कि चीनी रिफाइनरीज़ पर सैंक्शन लगाने से वैश्विक तेल बाज़ार में अफरातफरी मच सकती है। उन्होंने कहा, ''अगर आप किसी देश पर सेकेंडरी सैंक्शन लगाते हैं, जैसे रूस से चीन को तेल शिपमेंट्स के मामले में, तो चीन बस उस तेल को रिफाइन करेगा और वही तेल फिर वैश्विक बाज़ार में लौट आएगा। जो भी इसे खरीदेगा उसे ज़्यादा कीमत चुकानी होगी, और अगर तेल उपलब्ध न हुआ तो वैकल्पिक स्रोत खोजना पड़ेगा।'' उनकी इस साफगोई ने वही बात दोहराई है जो ऊर्जा विश्लेषक लंबे समय से कह रहे हैं: चीन को दंडित करने से सिर्फ़ बीजिंग ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया प्रभावित होगी।

रूबियो ने स्वीकार किया कि वॉशिंगटन के सहयोगी देश भी इसे लेकर असहज हैं। उन्होंने कहा, ''जब हमने सीनेट बिल में चीन और भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव रखा, तो कई यूरोपीय देशों ने इस पर असंतोष व नाराज़गी जताई।''

लेकिन, जहां चीन को लेकर सावधानी बरती जा रही है, वहीं भारत पर वॉशिंगटन का रवैया कहीं ज़्यादा सख़्त है। पूर्व में, फ़ॉक्स रेडियो से इंटरव्यू में, रूबियो ने भारत द्वारा रूस से सस्ते तेल की लगातार खरीद को ''यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद'' बताया। उन्होंने माना कि यह अमेरिका-भारत रिश्तों में ''खटास'' का कारण है, हालांकि यह एकमात्र वजह नहीं। उन्होंने कहा, ''भारत की ऊर्जा ज़रूरतें बहुत बड़ी हैं और वह रूस से तेल खरीदता है क्योंकि सैंक्शन लगा होने से वह सस्ता मिलता है.. दुर्भाग्य से, यही रूस को युद्ध जारी रखने में मदद कर रहा है।''

यह नाराज़गी अब दंडात्मक कदमों में बदल गई है। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और हाल ही में इसे दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। वाइट हाउस ने नई दिल्ली को यह चेतावनी भी दी है कि अगर उसने रूसी ऊर्जा व्यापार को कम नहीं किया तो सेकेंडरी सैंक्शन भी लगाए जा सकते हैं।

यह असमान व्यवहार अनदेखा नहीं रहा। आलोचकों का कहना है कि चीन के मामले में नरमी और भारत पर सख़्ती वॉशिंगटन के दोहरे मापदंड को उजागर करती है। चीन की ऊर्जा खरीद इतनी अहम मानी जा रही है कि उस पर कार्रवाई से बचा जा रहा है, जबकि भारत, जो अमेरिका का करीबी साझेदार है पर बराबरी का प्रतियोगी नहीं, आसान निशाना बन गया है। परिणामस्वरूप, आलोचकों के अनुसार यह सैंक्शन नीति सिद्धांत से ज़्यादा भू-राजनीतिक सुविधा पर आधारित लगती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेन्ट्रल जेल में एक बंदी की मौत

जयपुर, 18 अगस्त। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में एक बंदी की मौत हो गई। सदर थाना पुलिस ने सात दिन पहले गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत भेजा था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- पुलिस ने पोस्ट मार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि कालवाड़ रोड के हाथोज निवासी यश राठौड़ उर्फ कालू (19) की मौत हुई है। आठ अगस्त को यश राठौड़ ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर हनुमानगढ़ के नोहर निवासी पंकज कुमार का अपहरण कर लूटपाट की थी। पंकज जब रात के समय जयपुर रेलवे जंक्शन से बहन के घर बाइक कैब से जा रहा था तब धाबास पुलिया के पास उसका अपहरण किया गया था।

विचार बिन्दु

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। –हरिवंश राय बच्चन

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस- जितना बताया उससे कहीं अधिक छिपाया

बिहार में चल रहे एस आई आर यानी 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2025 को दिए गए अंतरिम आदेश के बाद जब चुनाव आयोग द्वारा यह घोषणा की गई कि वह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस 17 अगस्त को 3:00 बजे करेंगे तो पूरे देशवासी उत्सुकता से इसकी प्रतीक्षा करने लगे। उन्हें आशा थी कि देशवासियों, विशेष कर बिहार वासियों के मन में जो भ्रम और आशंकाएं उत्पन्न हो रही थीं, उनका समाधान इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से हो जाएगा। ऐसे कई प्रश्न थे जो सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों द्वारा भी सुनवाई के दौरान पूछे गए थे। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग की एस आई आर से संबंधित निर्णय और कार्यप्रणाली के बारे में अनेक आपत्तियां की जा रही थीं। इस संबंध में 11 याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई थीं।

सबको इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से अत्यधिक निराशा हुई। इस निराशा का कारण यह है कि किसी भी प्रश्न का मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट रूप से उत्तर नहीं दिया। कुछ पत्रकारों द्वारा बड़े स्पष्ट सीधे प्रश्न पूछे गए किंतु उनके उत्तर देने के बजाय उन्हें तकनीकी नियमों के मकड़ जाल में फंसा कर वही कहा जो वे तय करके आए थे। 83 मिनिट की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भी लगभग सभी प्रश्न वैसे के वैसे खड़े हैं। यह वैसा ही था जैसे परीक्षा में प्रश्न कुछ भी पूछे जाएं किंतु उत्तर वही दिया जाता है जो विद्यार्थी रट कर आए होते हैं।

हम यह देखने का प्रयास करेंगे कि वे कौन से प्रश्न हैं जिनका उत्तर प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से प्राप्त होना चाहिए था, किंतु ऐसा नहीं हुआ। संभव है, विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसी ही अपेक्षा थी। इसीलिए, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार में वोट अधिकार यात्रा को प्रारंभ करने का अपना कार्यक्रम नहीं बदला और उसे दिनांक 17 अगस्त से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रारंभ कर दिया।

सबसे पहला प्रश्न जो अब तक भी उसी तरह बना हुआ है वह यह कि 2003 की एस आई आर के समय चुनाव आयोग द्वारा क्या दिशा निर्देश दिए गए थे? मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस बारे में कुछ नहीं बताया कि क्या उस समय सबसे गणना प्रपत्र भरवाए गए थे और उनसे क्या दस्तावेज मांगे गए थे? चुनाव आयोग द्वारा उस समय जो दिशा निर्देश या विज्ञिप्त जारी की गई होगी, उसकी प्रति न तो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, न ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय में यह उपलब्ध कराई गई है। यह उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान माननीय न्यायाधीश ने भी पूछा कि 2003 में चुनाव आयोग द्वारा क्या दिशा निर्देश जारी किए गए थे? इसका कोई उत्तर न तो न्यायालय में दिया गया, न ही प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दिया गया। वास्तविकता तो यह है कि उस समय सबसे प्रपत्र भरवाए ही नहीं गए थे और न उनसे कोई दस्तावेज मांगे गए थे। अतः ज्ञानेश कुमार का यह कहना कि एस आई आर पहले कई बार हो चुका है, कोई मायने नहीं रखता।

इस प्रश्न का भी उत्तर नहीं मिला कि चुनाव आयोग द्वारा इन 11 दस्तावेजों के आधार पर किसी को भारतीय कैसे मान लिया गया, जबकि आधार और वोटर आईडी कार्ड को मतदाता होने के लिए पर्याप्त नहीं माना जा रहा है?। क्या इसके लिए गृह मंत्रालय ने कोई आदेश जारी किया है कि इन 11 दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज होने पर किसी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता मिल जाएगी? वास्तविकता यह है कि देश में रहने वाले व्यक्ति को केवल यह घोषणा मात्र करनी होती है कि वह भारतीय नागरिक है। हां, 'आधार' अवश्य मांगा जाता है जिसे एस आई आर में वैध दस्तावेज नहीं माना गया है। जब चुनाव आयोग मतदाताओं से 11 में से एक दस्तावेज भारतीय होने के प्रमाण के रूप में मांग रहा है तो उसे यह तो स्पष्ट करना ही चाहिए कि क्या भूमि का रिकॉर्ड होने या दसवीं का सर्टिफिकेट जैसे दस्तावेज होने से कोई भी भारतीय सिद्ध हो जाएगा? 11 दस्तावेजों को मान्यता देना और 'आधार' को मान्यता न देने का कोई औचित्य प्रेस कांफ्रेंस में भी नहीं बताया गया। चुनाव आयोग का यह कहना कि 'आधार' कई लोगों ने फर्जी बनवा रखे हैं, तो यही तर्क चाहे गए 11 डॉक्यूमेंट पर भी लागू हो सकता है।

क्या चुनाव आयोग यह गारंटी दे सकता है कि जिस व्यक्ति का नाम एस आई आर के बाद मतदाता सूची में आ जाएगा, उसे भारत का नागरिक मान लिया जाएगा? सरकार को भी स्पष्ट करना होगा कि क्या जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं होगा, उसे भारत का नागरिक नहीं मानते हुए उसे भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं से वंचित कर दिया जाएगा? राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे विरोध का एक कारण उनकी यह आशंका है कि पहले तो लोगों का नाम निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत न करने के कारण मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा और बाद में इसी आधार पर उन्हें अन्य सभी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा।

चुनाव आयोग ने एस आई आर का उद्देश्य मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करना बताया है। यदि किसी का नाम एक से अधिक मतदाता सूची में अंकित है तब भी वह मतदान तो एक ही स्थान पर कर पाएगा, ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया, जो हास्यास्पद है।

यह प्रश्न भी अनुत्तिरत ही रहा कि 25 सितंबर, 2025 को, जब 1 अगस्त से 31 अगस्त तक प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी तो फिर जिन मतदाताओं का नाम सूची में नहीं आया, उनके उनके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रथम एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी को द्वितीय अपील करने का समय ही कहां बचेगा? दोनों ही अपीलों के लिए क्रमशः 15 और 30 दिन का समय नियमानुसार मिलता है। यह समयावधि पूरी होने से पूर्व ही 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। संभावना यह है कि उसी समय चुनाव की अधिसूचना भी जारी हो जाए। ऐसा होते ही किसी भी न्यायालय का दखल संभव नहीं हो पाएगा। इसका अर्थ यह हुआ कि जिन मतदाताओं का नाम 30 सितंबर की मतदाता सूची में नहीं होगा, वे बिहार के विधानसभा चुनाव में मतदान करने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे।

संक्षेप में हम यह भी कह सकते हैं कि इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग की छवि को खराब करने का ही काम किया है। अब तक तो लोग केवल चुनाव आयोग पर पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करने का संदेह ही कर रहे थे किंतु प्रेस कांफ्रेंस के बाद यह विश्वास हो गया है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा है और सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने जब यह पूछा कि इतनी हड़बड़ी में एस आई आर क्यों किया जा रहा है, विशेषकर तब, जब कि बिहार में कई स्थानों पर बाढ़ है, तो खीज कर ज्ञानेश कुमार ने प्रश्न पूछ लिया कि एस आई आर चुनाव के पहले होना चाहिए या बाद में? वे प्रश्न को समझते हुए भी अनजान बने रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 2003 में भी इंटेंसिव रिवीजन जुलाई के महीने में ही हुआ था। यह कहते समय वे यह भूल गए कि उस समय मतदाताओं से अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए किसी भी प्रकार का दस्तावेज नहीं मांगा गया गया था। इस कारण उन्हें सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े थे। इस बार ऐसा उन्हें करना पड़ रहा है, जो बिहार में बाढ़ की स्थिति के कारण लगभग असंभव प्रतीत होता है।

24 जून की विज्ञिप्त में चुनाव आयोग ने यह लिखा था कि अवैध रूप से भारत में रहने मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का भी उद्देश्य है। यदि यह उद्देश्य था तो फिर एक पत्रकार के इस प्रश्न का कोई स्पष्ट उत्तर मुख्य चुनाव आयुक्त ने क्यों नहीं दिया कि 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूचियों में जिन 65 लाख व्यक्तियों के नाम नहीं है, उनमें से बांग्लादेशी या नेपाली कितने हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त को चुनाव आयोग ने आदेश दिया है कि वह हटाए गए 65 लाख मतदाताओं की सूची, लोगों की जानकारी के लिए उपलब्ध कराएंगे। इसमें नाम हटाने का कारण भी अंकित किया जाएगा। यही मांग सभी विरोधी दल कर रहे थे लेकिन अपनी हठधर्मिता के कारण चुनाव आयोग ऐसा नहीं कर रहा था। इस प्रकार की सूचना डिजिटल होगी अर्थात कोई भी व्यक्ति अपना एपिक कार्ड नंबर डालकर यह पता कर सकेगा कि उसका नाम वोटर लिस्ट में से क्यों काटा गया? वह आधार के साथ आवेदन करके अपना नाम पुनः जुड़वा सकेगा।

एस आई आर की अधिसूचना जारी करने से पहले राजनैतिक दलों से कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त का यह उत्तर कि सभी दलों की यह मांग थी, उपयुक्त नहीं है। सबसे चर्चा के बाद ही प्रक्रिया प्रारंभ की जाती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। चुनाव आयोग ने एस आई आर को मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का नाम दिया है किंतु वास्तव में यह केवल नाम काटने की प्रक्रिया बनकर रह गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने पूछा कि 65 लाख लोगों के नाम काटे हैं तो कितने लोगों ने अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है। इसका कोई उत्तर ज्ञानेश कुमार ने नहीं दिया।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश से 65 लाख हटाए गए व्यक्तियों के लिए आधार को वैध दस्तावेज मान लिया है। चुनाव आयोग ऐसा न करने के लिए अब तक अड़ा हुआ था। देखना यह है कि जिन 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में हैं उनमें से कितने लोगों के नाम बी एल ओ द्वारा 'नॉट रिकमेंडेड' लिखने के कारण हटा दिए जाएंगे। इस बारे में जब एक पत्रकार ने पूछा कि 'रेकमेंडेड' या 'नॉट रिकमेंडेड' लिखने का क्या मापदंड हैं, तो मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया गया।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक के महादेवपुरा संसदीय क्षेत्र में हुई 'वोटो की चोरी' के संबंध में जो विस्तृत प्रजेंटेशन प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया, उसके बारे में चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस देकर शपथ पत्र प्रस्तुत करने हेतु कहा। इसी प्रकार का शपथ पत्र भाजपा नेता अनुराग ठाकुर से न मांगने का कारण पूछने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी या तो एक सप्ताह में शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे। उनका इस प्रकार का वक्तव्य विशुद्ध राजनीतिक था जो एक संवैधानिक संस्था के मुखिया के लिए नितांत अनुचित था।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए किसी भी प्रश्न का कोई संतोषप्रद और स्पष्ट उत्तर नहीं मिला। हम कह सकते हैं कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त केवल अपना एक तरफ भाषण ही देते रहे और वही बताया जो वह कहना चाह रहे थे और वह सब छुपाया जो वह छुपाना चाहते थे। सारांश में कहें, तो चुनाव आयोग ने जितना बताया उससे कहीं अधिक छुपाया और जो छुपाया वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण था।

संक्षेप में हम यह भी कह सकते हैं कि इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग की छवि को खराब करने का ही काम किया है। अब तक तो लोग केवल चुनाव आयोग पर पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करने का संदेह ही कर रहे थे किंतु प्रेस कांफ्रेंस के बाद यह विश्वास हो गया है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा है और सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है।

अब देखना यह है कि आगामी तिथि 23 अगस्त 2025 को सर्वोच्च न्यायालय 7.24 करोड़ मतदाताओं के संबंध में क्या आदेश पारित करता है?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नॉन-वेज दूध

अशोक कुमार

नॉन-वेज दूध (Non-veg Milk) एक ऐसा शब्द है, जो उन गायों या अन्य दुधारू पशुओं के दूध के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें खाने में मांसाहारी सामग्री दी जाती है। यह मुद्दा हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों के दौरान चर्चा में आया था।

नॉन-वेज दूध क्या है?

भारत में, गायों को शाकाहारी माना जाता है और उनके दूध को शुद्ध और सात्विक आहार के रूप में देखा जाता है। लेकिन अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों में, डेयरी गायों को अधिक दूध उत्पादन और वजन बढ़ाने के लिए खास तरह का चारा दिया जाता है। इस चारे को ब्लड मील या रेंडर्ड फीड कहते हैं, जिसमें जानवरों के खून, मांस और हड्डियों का चूरा मिला होता है।

चूंकि इस प्रक्रिया में गायों को मांसाहारी आहार खिलाया जाता है, इसलिए उनके दूध को भारत में नॉन-वेज दूध कहा गया है। यह दूध उन मांसाहारी जानवरों जैसे शेरनी या बिल्ली के दूध से अलग है, जिनकी दूध की संरचना पूरी तरह से मांसाहार पर आधारित होती है।

भारत में इसका विरोध क्यों हुआ?

भारत ने अमेरिका से ऐसे दूध और डेयरी उत्पादों का आयात करने से इनकार कर दिया है, जो मांसाहारी चारे पर पली गायों से प्राप्त होते हैं। इस विरोध के मुख्य कारण हैं:–

धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाएं: भारत में गाय को गौ माता माना जाता है और दूध का उपयोग पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता है। ऐसे में, मांसाहारी आहार पर पली गायों के दूध को स्वीकार करना सांस्कृतिक मान्यताओं के खिलाफ माना गया।

नैतिक कारण: कई लोग इसे जानवरों के प्रति क्रूरता और प्रकृति के नियम के विरुद्ध मानते हैं।

स्वच्छता और शुद्धता: भारत सरकार और खाद्य सुरक्षा नियामक, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI), ने दूध की शुद्धता और शाकाहारियों के हितों की रक्षा के लिए इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है।

FSSAI के नियमों के अनुसार, भारत में बेचे जाने वाले सभी खाद्य उत्पादों पर स्पष्ट रूप से 'शाकाहारी' (हरा निशान) या 'मांसाहारी' (भूरा निशान) का लेबल होना अनिवार्य है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसे दूध को 'शाकाहारी' के रूप में नहीं मानती है और इसे आयात करने की अनुमति नहीं देगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

देश का विभाजन पहले साहित्य में, फिर धरातल पर हुआ था : मनोज कुमार

अखण्ड भारत स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में साहित्य परिषद जयपुर ईकाई द्वारा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एवं सोशल साइंसेज के सभागार में परिचर्चा का आयोजन

जयपुर। वंदेमातरम गीत के विभाजन को स्वीकार कर भारत विभाजन की नींव रख दी गई थी। देश का विभाजन बाद में हुआ, उससे पहले विचारों में विभाजन हो गया था परंतु विभाजन के जितने जिम्मेदार गांधी थे उतने ही जिम्मेदार अंग्रेज। तत्कालीन राजनैतिक नेतृत्व एवं उस समय का समाज भी था। भारत विभाजन की पृष्ठभूमि में अंग्रेजों द्वारा स्थापित तीन संस्थाएं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मुस्लिम लीग एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी थी। पिछले पाँच-छह दशकों में भारत विभाजन के विषय पर पर्याप्त साहित्य एवं सभी विधाओं में सृजित हुआ है। प्रमुख रूप से इसके तीन प्रकार हैं, एक विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित, दूसरा विभाजन के दर्द एवं पीड़ा पर आधारित एवं तीसरा विस्थापितों की सुरक्षा, सेवा व अविभाजित भारत की संभावनाओं पर आज आवश्यकता है इस साहित्य को फिर से देखा जाए, चर्चा की जाए है। उक्त बात अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार ने साहित्य परिषद जयपुर ईकाई द्वारा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एवं सोशल साइंसेज के सभागार में आयोजित परिचर्चा में कही।

■ अखण्ड भारत स्मृति दिवस के उपलक्ष में ''भारत विभाजन की विभीषिका पर निर्मित साहित्य परिचर्चा'' एवं विष्णु शर्मा ''हरिहर'' की दो पुस्तकों ''बोल री चिड़िया रानी'' एवं ''अच्छे लगते फूल'' के विमोचन किया गया

अखण्ड भारत स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में ''भारत विभाजन की विभीषिका पर निर्मित साहित्य परिचर्चा'' एवं विष्णु शर्मा ''हरिहर'' की दो पुस्तकों ''बोल री चिड़िया रानी'' एवं ''अच्छे लगते फूल'' के विमोचन अवसर था। मनोज कुमार ने बताया कि विभाजन के साहित्य पर चर्चा रखने का उद्देश्य विभाजन की त्रासदी का स्मरण करने के साथ-साथ यह है। इस साहित्य को नई पीढ़ी के लिए फिर से उनकी भाषा में आज के संदर्भों सहित नए कलेवर में लिखा जाए। कार्यक्रम का शुभारंभ साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं साहित्य परिक्रमा के संपादक इंदु शेखर एवं कोटा के प्रसिद्ध बाल साहित्यकार विष्णु हरिहर ने माँ शारदा एवं माँ भारत के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम का संयोजन विकास तिवाड़ी द्वारा किया गया।

विभाजन विभीषिका पर आधारित 8 पुस्तकों पर परिचर्चा :- कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत विभाजन की कारण मीमांसा व विभीषिका पर 8 पुस्तकों पर एक विषय केन्द्रित साहित्यिक चर्चा की गई। डॉ. ईश्वर बैरागी ने माणिक वाजपेयी व श्रीधर पराड़कर द्वारा लिखित ''ज्योति जला निज प्राण की'' पुस्तक पर बात करते हुए बताया कि इस पुस्तक में एक बार भी शरणार्थी शब्द का उपयोग नहीं हुआ है उसके स्थान पर विस्थापित शब्द काम में लिया गया है।

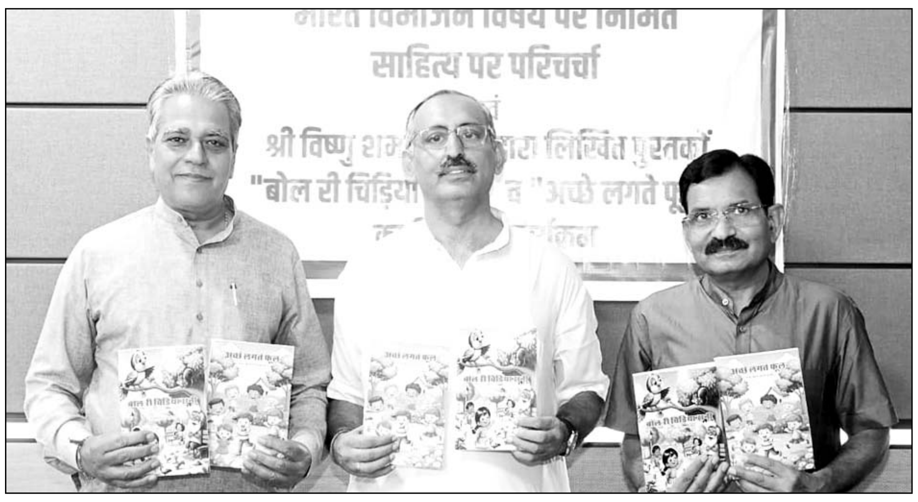

कार्यक्रम में अ. भा. साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार, साहित्य परिक्रमा के संपादक इंदु शेखर एवं कोटा के प्रसिद्ध बाल साहित्यकार विष्णु हरिहर ने पुस्तकों का विमोचन किया।

केशव शर्मा ने लेखक प्रशांत पोल द्वारा लिखित एवं प्रभात प्रकाशन की ''वे पंद्रह दिन'' पुस्तक पर चर्चा की, डॉ. इंदुशेखर तत्पुरूष ने डॉ. राममनोहर लोहिया द्वारा लिखित ''भारत विभाजन के गुनहगार'' एवं प्रो. ए एन बाली द्वारा लिखित पुस्तक '' विभाजन विभीषिका ..... जो बताना जरूरी है'' पर प्रकाश डाला एवं साहित्यकार सत्यनारायण शर्मा ने हो वे शेषाद्रि द्वारा लिखित ''....और देश बंट गया'' एवं गुरूदत्त द्वारा लिखित ''देश की हत्या'' उपन्यास, विष्णु शर्मा 'हरिहर' ने कृष्णानंद सागर द्वारा लिखित ''भारत विभाजन के कुछ अज्ञात तथ्य'', एवं डॉ विपिन चंद्र ने सदानंद सप्रे की अर्चना प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तक अखंड भारत पर अपनी बात रखी। इस दौरान उपस्थित साहित्यकार एवं साहित्य अनुरागियों द्वारा विभाजन विषय पर निर्मित अनेक पुस्तकों एवं उनके लेखकों व प्रकाशकों के नाम के साथ उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

विष्णु शर्मा 'हरिहर' लिखित बाल साहित्य का विमोचन :- कार्यक्रम के दूसरे सत्र में श्री विष्णु शर्मा 'हरिहर की दो पुस्तकों ''बोल री चिड़िया रानी'' एवं ''अच्छे लगते फूल'' पुस्तक का विमोचन अभा साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार एवं साहित्य परिक्रमा के सम्पादक डॉ. इंदुशेखर तत्पुरूष द्वारा किया गया। यह दोनों पुस्तक बाल साहित्य हैं जिसमं पहली पुस्तक बोल री चिड़िया रानी बाल कुण्डलियों का संग्रह है। वहीं दूसरी पुस्तक अच्छे लगते फूल पुस्तक रोला बाला पहेली संग्रह है। उन्होंने अपने संबोधन में अपनी इन दोनों ही पुस्तकों के विषय वस्तु के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अल्का सक्सेना, संतोष यादव, रमा सिंह, लक्ष्मण सिंह, मुरारी, जितेन्द्र, केशव, डॉ. ओमप्रकाश, संजय, डॉ. ममता, डॉ. हरवीर सिंह, पुरूषोत्तम, डॉ. विपिनचंद्र, डॉ. अमित, डॉ. शुचि, याजवेन्द्र एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थियों सहित अनेक साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

स्टाफ की गुटबाजी से नाराज ग्रामीणों ने भूतौली विद्यालय के गेट पर ताला लगाया

हलैना/भरतपुर, (निसं)। गांव भूतौली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ की गुटबाजी से खफा होकर ग्रामीणों ने विद्यालय में समय पर आए स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं को विद्यालय से बहार निकालकर विद्यालय के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा दिया और नारेबाजी करते स्टाफ को खरी-खोटी सुनाई। तालाबंदी की भनक लगते ही शिक्षा विभाग और विद्यालय परिवार में खलबली मच गई। संस्था प्रधान रामखिलाड़ी मीणा ने तालाबन्दी की सूचना शिक्षा विभाग के आलाधिकारी और हलैना थाना को दी। सूचना प्राप्त होते ही वैर के सीबीईओ सजनी चौधरी ने एसीबीओ रामरतन गुर्जर के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित कर विद्यालय भेजी। वहीं हलैना पुलिस भी मौके पर पहुंची। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने संस्था प्रधान की उपस्थिति में तालाबंदी करने वाले ग्रामीणों से दूरभाष पर वार्ता की और विद्यालय की समस्याओं से अवगत कराया, जिसमें विद्यालय स्टाफ की गुटबाजी तथा विद्यालय स्टाफ के कुछ शिक्षक-शिक्षिकाओं के कहने पर तालाबन्दी का मामला उभर कर आया।

संस्था प्रधान रामखिलाड़ी मीणा ने बताया कि साल 2023 में हुए जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता और महिला वरिष्ठ शिक्षिका चंचल कुमारी व लिपिक जयसिंह हंसावत के मध्य एक बिल के भुगतान आदि को लेकर विद्यालय में गुटबाजी जारी थी। स्कूल के बच्चों को साल 2023 में हुए खेलकूद के प्रमाण पत्र भी नहीं मिले, जिससे बच्चे और उनके परिजन परेशान थे। मैं इस विद्यालय में 9 अप्रेल 2025 को आया और संस्था प्रधान का कार्यभार संभाला। उन्होंने बताया कि 18 अगस्त को प्रतिदिन की भांति सुबह करीब सवा सात बजे विद्यालय में मेरे अलावा अन्य स्टाफ सहित छात्र-छात्राओं ने प्रवेश किया। गांव के कुछ लोगों ने स्टाफ और छात्र-छात्राओं को विद्यालय से बहार निकालकर विद्यालय को ताला लगा दिया, जिसकी सूचना शिक्षा विभाग और पुलिस को दी। विभाग के एसीबीईओ रामरतन गुर्जर, राउमावि सरसैना के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश महावर, राउमावि रायपुर के संस्था प्रधान निर्भय सिंह गुर्जर तथा हलैना पुलिस मौके पर आए, लेकिन इनके आने से पहले मेरी और सीबीईओ, एसीबीईओ की वार्ता पर ग्रामीणों ने तालाबंदी खोल दी।

इधर जांच को आए एसीबीईई रामरतन गुर्जर ने बताया कि स्टाफ की गुटबाजी से खफा होकर ग्रामीणों ने विद्यालय का ताला लगा दिया। अब विद्यालय की गुटबाजी की जांच जारी है, जो भी शिक्षक-शिक्षिका दोषी साबित होगा, उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही होगी और कारण बताओं नोटिस थमाए जाऐंगे। जांच कमेटी के समक्ष ये भी मामला आया कि महिला वरिष्ठ शिक्षिका चंचल कुमारी और लिपिक जय सिंह हंसावत के मध्य पुस्तकालय के बिल के भुगतान को लेकर तनातनी जारी थी। लिपिक ने शिक्षिका को पुलिस द्वारा पाबंद करा रखा था। इधर ग्रामीणों का कहना था कि विद्यालय में लम्बे समय से स्टाफ में गुटबाजी जारी है, जिसका असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा था। साथ ही साल 2023 में हुए जिलास्तर के खेलकूद प्रतियोगिता के प्रमाण पत्र भी आज तक जारी नहीं हुए। सीबीईओ सजनी चौधरी ने बताया कि तबियत खराब होने के कारण आज अवकाश पर थी, राउमावि भूतौली के स्टाफ की गुटबाजी और तालाबन्दी की जांच जारी है, जिसको जांच कमेटी गठित कर दी गई है। अवकाश से कार्यालय आने पर स्वयं विद्यालय पहुंच कर जांच की जाऐगी और दोषी स्टाफ को कारण बताओं नोटिस थमाए जाएंगे।

राशिफल मंगलवार 19 अगस्त, 2025

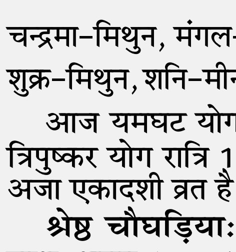

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 1:08 तक, वज्र योग रात्रि 8:30 तक, बालव करण दिन 3:53 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 1:08 तक, त्रिपुष्कर योग रात्रि 1:08 से सूर्योदय तक है। आज अजा एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:17 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:07 तक, शुभ 3:44 से 5:20 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:57

मेष

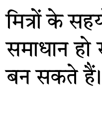

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बन सकते हैं।

वृष

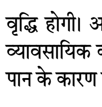

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में सफल रहेंगे। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन

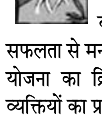

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कर्क

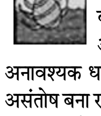

व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

सिंह

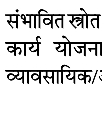

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

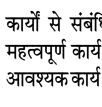

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला

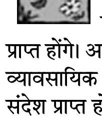

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु

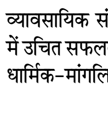

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

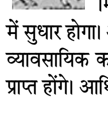

विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

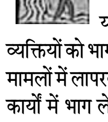

व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन

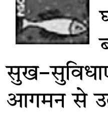

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

संक्षिप्त

थिरोदा का भव्य अभिनंदन

मेड़ता सिटी,(निसं)। मेड़ता समाज सेवी व युवा नेता रामेश्वर थिरोदा का सोमवार को महंत हरिनारायण महाराज द्वारा भव्य अभिनन्दन किया गया। संत हरिनारायण महाराज ने बताया कि समाज सेवी , सेवा का भाव रखने वाले रामेश्वर थिरोदा का उनके जन्मदिन के अवसर पर अभिनंदन किया गया। थिरोदा हमेशा सेवा का भाव रखने वाले इंसान है और हमेशा जनता की सेवा में लगे रहते है। इस मौके कलरू सरपंच व मेड़ता विधायक के पुत्र अशोक मेघवाल, राजू रुणवाल ,महेन्द्र भाकर व सुरेश गुर्जर सहित कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

बिजली की आंख मिचोली से परेशान

सरवाड़, (निसं)। शहर में इन दिनों बार-बार बिजली कटौती करने से शहरवासी परेशान नजर आ रहे हैं वहीं गर्मी के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त नजर आ रहे है वहीं विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते लोग परेशान नजर आ रहे है वहीं शहरवासियों ने कई बार अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं मगर विभाग की आंखे मिचौली बंद नहीं हो रही है जिसके चलते लोगों में रोष देखने को मिल रहा है आखिर में कब विद्युत विभाग शहरवासियों को राहत पहुंचा पाएगा

बिजली बंद रहेंगी आज

मसूदा, (निसं)। मसूदा विद्युत वितरण निगम के कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि आज मंगलवार 19 अगस्त को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 तक आवश्यक रखरखाव और मरम्मत के चलते 11 केवी फीडर मसूदा प्रथम से जुड़े इन क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। देवमाली रोड मौर्य पेट्रोल पंप देवनारायण आवासय विद्यालय, देवमाली गेट, देवमाली मंदिर एवं देवमाली रोड से जुड़े क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

दादाबाड़ी में पर्यूषण महापर्व कल से

अजमेर, (कासं)। जैन समाज के सबसे बड़ा पर्व पर्वाधिराज पर्यूषण महापर्व बुधवार से शुरू होंगी। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के प्रवक्ता रिखब सुराना ने बताया कि दादाबाड़ी में पर्यूषण महापर्व 20 अगस्त से मुनिवर सम्यकल सागर और दादाबाड़ी जीर्णोद्धार प्रेरिका साध्वी मनोहर श्रीजी मसा के सानिध्य में आठ दिनों तक मनाया जाएगा, जिसमें प्रतिदिन प्रवचन, कल्पसूत्र वाचन, महावीर स्वामी जन्मोत्सव, संवत्सरी महापर्व के आयोजन होंगे। प्रातः 7 बजे से महाभिषेक स्नात्र पूजा प्रतिक्रमण आंगी रचना और रात्रि में परमात्मा की भक्ति का आयोजन होगा। 7 सितम्बर को दादागुरुदेव की बड़ी पूजा और स्वधर्मीवात्सल्य का आयोजन होगा। पर्वाधिराज पर्यूषण महापर्व श्री जैन श्वेताम्बर तपागच्छ संघ अन्तर्गत साध्वी ज्योति दर्शना महाराज आदि ठाणा की पावन निश्रा में भादवा वदि बुधवार 20 अगस्त से प्रारम्भ हो रहे।

शिक्षा के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका, नई शिक्षा नीति समग्र विकास की वाहक-राठौड़

- बोर्ड एवं एनसीईआरटी के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू
- शिक्षकों को दी दक्षता आधारित मूल्यांकन एवं प्रश्न-पत्र निर्माण की जानकारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने कहा कि हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड एनपीसी आज समय की जरूरत है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प शिक्षा के द्वारा ही संभव है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं एनसीईआरटी के परफॉर्मेंस असेसमेंट, रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर होलिस्टिक डवलपमेंट परख के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में हुआ। यह कार्यशाला 18 से 22 अगस्त तक आयोजित की जाएगी।

बोर्ड प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ ने संबोधन में कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना शिक्षा के द्वारा ही संभव है और इसमें शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है वर्तमान में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से क्रांतिकारी बदलाव से वर्चुअल टीचर्स विकसित हो रहे हैं ऐसे में शिक्षकों को अपनी भूमिका बदलने की आवश्यकता है। नवीन शिक्षा नीति के अनुसार मूल्यांकन अब अंको के साथ विद्यार्थियों की समग्र क्षमताओं और जीवन कौशल को भी परिलक्षित करेगा। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड विद्यार्थियों की शिक्षा यात्रा को सम्पूर्ण रूप में दर्शाता है जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ जीवन कौशल, अभिरुचि और व्यक्तित्व विकास के पहलुओं को भी महत्व दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षा मानव सभ्यता के इतिहास का अहम कारक रही है और विश्व में बड़े परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक भी शिक्षा ही है। उन्होंने इस पहल को एनसीईआरटी एवं बोर्ड की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इस प्रशिक्षण के उद्देश्य को गंभीरता से ग्रहण कर प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है।

सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक एवं सेकेंडरी स्तर पर होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड की रूपरेखा से शिक्षकों को अवगत कराना और प्रश्न पत्र निर्माण की मानकीकृत टेम्पलेट प्रणाली विकसित करना है, उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षणार्थियों को समग्र प्रगति पत्र की संरचना और उपयोगिता के बारे में जानकारी देंगे तथा प्रश्न पत्रों को संतुलित, पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराएंगे।

उन्होंने कहा कि अच्छे प्रश्न पत्रों के निर्माण से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा तथा कार्यशाला में इस बात पर भी चर्चा होगी कि नवीन शिक्षा नीति के अनुरूप बोर्ड मूल्यांकन में क्या नवाचार कर सकता है।

इस अवसर पर वित्तीय सलाहकार रश्मि बिस्सा, विशेषाधिकारी नीतू यादव, निदेशक अकादमिक दर्शना शर्मा, सहायक निदेशक उमेश चौरसिया, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, सहायक निदेशक संपदा अजय बंसल, प्रवीण शर्मा, विवेक, सहायक निदेशक उमेश चौरसिया, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, सहायक निदेशक संपदा अजय बंसल सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शहर में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने की मांग

- युवा कांग्रेस ने सौंपा एसपी को ज्ञापन

अजमेर,(कासं)। अजमेर शहर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा को पत्र लिखकर शहर में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने और पुलिस गश्त बढ़ाने कि मांग की। शहर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने एसपी को लिखे पत्र में बताया कि पुलिस द्वारा नियमित गश्त के दावे खोखले साबित हो रहे है, शहर में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं।

रामगंज थाने से मात्र 400 मीटर दूरी पर दो घुटों में आधे घंटे तक खूनी संघर्ष चलता रहा और पुलिस को सूचना तक नहीं मिली। इसी तरह केसरगंज चौकी से 200 मीटर पर महिला से पर्स लूट लिया गया, जिसकी जानकारी चौकी तक नहीं पहुंची, इस तरह की आपराधिक गतिविधियां पूरे शहर में जगह-जगह बढ़ती जा रही है। बढ़ती आपराधिक घटनाएं यह दर्शाती हैं कि अपराधियों में पुलिस का भय समाप्त हो चुका है और पुलिस प्रशासन की गंभीर लापरवाही उजागर हो रही है। युवा कांग्रेस ने एस पी से जनता के हितों की मांग करते हुए कहा कि शहर के जिस थाना क्षेत्र में अपराध घटित हो, संबंधित अधिकारी को लाइन हाजिर कर कार्यवाही की जाए, पुलिस को आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु कड़े निर्देश दिए जाएं। अपराधियों में भय उत्पन्न करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि इस गंभीर विषय पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही हो, जिससे शहरवासियों में सुरक्षा की भावना स्थापित हो सके। ज्ञापन देने वालों में नितिन जैन, अमित टांक, संजय मेघवंशी, इलियास खान, सौरभ जैन, हिमांशु गर्ग, ओमप्रकाश मंडावरा, अजय ठाकुर, भानु कांत, अभिनव भटनागर, हर्ष मीणा, गोविंद खंगारोत, गर्व दत्त, अंकित पंवार, दीपेंद्र चितारा, विक्रम चौहान, राहुल सिंगला, आदि उपस्थित पद अधिकारी थे।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.

E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांकः–नपाप./विकास शाखा/2025–26/1445 दिनांकः– 13.08.2025

ई–निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 14.08.2025 का 18:00 बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2526A4722

UBN NO : DLB2526SLOB14572

राज.संवाद/सी/25/8273 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका परबतसर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ जिला (अजमेर) राज.

क्रमांक: न.प.कि/नाम हस्तांतरण/2025/1828 **आम सूचना** दिनांक: 13/08/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के आवासीय (भूखण्ड क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज) पर श्री सुनिल कुमार चौधरी पुत्र स्व. श्री भागचंद चौधरी ने आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है–

पूर्व में : श्रीमती कुसुम चौधरी का मकान पश्चिम में : आम चौक

उत्तर में : राजेन्द्र व प्रदीप चौधरी का मकान दक्षिण में : रास्ता

अत: उक्त नाम हस्तान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। –प्रभारी नगर परिषद किशनगढ

राज मोहिनी का अंतिम संस्कार

अजमेर, (कासं)। प्रगति नगर कोटड़ा स्थित ताराचंद हुंदल दास खानचंदानी सेवा संस्था की श्री अमरापुर सेवा घर वृद्धा आश्रम में दिल्ली निवासी 85 वर्षीय राज मोहिनी पुत्री स्वर्गीय पंडित देशराज का सोमवार सुबह निधन हो गया, जिसे आश्रम के ट्रस्टियों व आवासियों ने मिलकर उनका अंतिम संस्कार किया। संस्था के अध्यक्ष कंवल प्रकाश ने बताया कि पिछले 18 माह से राज मोहिनी आश्रम में रह रही थी, जिसकी कोई संतान नहीं थी, उनके दूर के रिश्तेदारों को सुबह सूचित किया गया, जय अम्बे मंदिर द्वारा उपलब्ध शव वाहन से ऋषि उद्यान समशान घाट पर ले जाया गया। उसके बाद विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया।

लैब टेक्नीशियनों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

- निजी कंपनियों से जांच समझौते का जताया विरोध
- कलेक्टर को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान सरकार द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर जांच सेवाओं के लिए निजी कंपनियों के साथ किए गए समझौते को लेकर सोमवार को अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ ने कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने प्रदर्शन के बाद कलेक्टर को मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन दिया है। प्रदेश की समस्त जांचों को निजी हाथों में देने को लेकर विरोध जताया है।

लैब टेक्नीशियन संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ की ओर से पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय व्यापी आंदोलन किया जा रहा है। आज अजमेर में भी कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर लोकबंधु को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के नाम ज्ञापन दिया है। राज्य सरकार ने पिछले दिनों एमओयू करके जांचों को निजी हाथों में देने की योजना बनाई है। सोमवार को अखिल राजस्थान लैब तकनीशियन एसोसिएशन के आव्हान पर प्रदेशभर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुए।

अजमेर में जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के लैब तकनीशियनों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर लोक बंधु के माध्यम से मुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि ज्ञापन में सरकार से इस समझौते पर पुनः विचार करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना और दवा योजना का पहले से ही प्रदेश की जनता लाभ ले रही है। ऐसे में निजी कंपनियों से नया समझौता सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार डालेगा। साथ ही इससे सरकारी लैब तकनीशियनों की भूमिका गौण हो जाएगी।

नई भर्तियों की मांग : राठौड़ ने कहा कि यदि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना चाहती है तो नई भर्तियां शुरू करे और बेरोजगार लैब तकनीशियनों को रोजगार का अवसर दे। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि चिकित्सा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। नए समझौते के तहत पीएचसी और सीएचसी पर 145 प्रकार की जांचें उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, शुगर टेस्ट, थॉयराइड टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, लिवर फंक्शन टेस्ट और विटामिन बी-12 टेस्ट सहित अन्य जांचें शामिल हैं।

दिल दिया है, जान भी देंगे, ऐ वतन तेरे लिए...

- आज़ादी के 79वें वर्ष में इप्टस के 79वां संगीतमय सफ़र में देशभक्ति तरानें गूंजे

अजमेर, (कासं)। इंडिया इंटरनेशनल म्यूजिक लवर्स सोसायटी (इप्टस) ने देशभक्ति गीतों और सुरों से ओतप्रोत एक यादगार संध्या का आयोजन किया। 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' के 79 वें संगीतमय सफ़र के अंतर्गत आयोजित छठा देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम 'आज़ादी के तराने' शास्त्री नगर रोड स्थित एक होटल में देशभक्ति के उल्लास में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान खो-खो संघ के उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी भंवर सिंह पलाड़ा ने जब हाथ में तिरंगा झंडा लहरा कर दिल दिया है जान भी देंगे ए वतन तेरे लिए गीत गुनगुनाना शुरू किया तो पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा, उन्होंने अपने उद्बोधन में संस्था की सेवाभावना और सकारात्मक उद्देश्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों में मेरे देश की धरती, यह देश है वीर जवानों का, आई लव माय इंडिया, भारत का रहने वाला हूं , संदेसे आते हैं , ए मेरे प्यारे वतन, दिल दिया है जान भी देंगे, देश रंगीला, गीतों पर रानी चौधरी और अन्य सदस्यों ने तिरंगे झंडों के साथ आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष गणेश चौधरी, उपाध्यक्ष डॉ. दीपा थदानी और गोपेंद्र सिंह राठौड़, निदेशक कुंज बिहारी लाल, महासचिव अशोक दरियानानी, तथा सांस्कृतिक सचिव रश्मि मिश्रा, ऊषा मित्तल, चंदन सिंह भाटी, अनिल जैन, नीरज आर्य, रविंद्र जोधावत, नीरज वंदना मिश्रा, दिनेश पंवार, डॉ सुमन कविया, डॉ. अलका अग्रवाल, डॉ. विकास सक्सेना, शरद शर्मा, अब्दुल सलाम कुरैशी, मोहन मिश्रा, कुमकुम जैन, लक्ष्मण हरजानी और नरेंद्र यादव, आलोक वर्मा, डॉ. एसएन भट्ट, श्याम पारीक, मीना खियालानी, दीपक भार्गव ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। संस्था की ओर से मुख्य अतिथि भंवर सिंह पलाड़ा को मोतियों की माला, दुपट्टा और शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया और मंच संचालन करुणा टंडन ने अपने जोशीले और ऊर्जावान अंदाज में किया।

छात्राओं को हाइटेक कम्प्यूटर, स्मार्ट बोर्ड एवं प्रोजेक्टर की सुविधा

ब्यावर (निसं) श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में छात्राओं की आधुनिक शिक्षा के लिए 56 हाइटेक कम्प्यूटर, स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर से सुसज्जित दो पूर्णतः वातानुकूलित बोहरा कम्प्यूटर लैब एवं भंवरलाल गोठी पब्लिक सी.सै. स्कूल में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु नवनिर्मित वातानुकूलित आधुनिक फर्नीचर से परिपूर्ण रांका ब्लॉक का सामूहिक उद्घाटन बैण्ड की सुमधुर ध्वनि में नवकाहाइटेक कम्प्यूटर, स्मार्ट बोर्डर मंत्र एवं भगवान श्री भामाशाह की स्तुति के साथ किया गया।श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा इस अवसर पर शैक्षणिक इकाइयों के भौतिक विकास एवं उन्नयन में सहभागिता प्रदान करने हेतु भामाशाह परिवार व अतिथियों का अभिनंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।जिसमें चेन्नई निवासी भामाशाह राकेश कुमार रांका एवं उनके पुत्र केसर मरुधर रांका एवं भामाशाह अशोक बोहरा का स्वागत एवं अभिनंदन अध्यक्ष सुनील खेतपालिया,मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ आर.सी. लोढ़ा ने माल्यार्पण, शॉल, साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया । चैन्नई निवासी पवन खींवसरा एवं वीणा खींवसरा का भी माल्यार्पण, शॉल , साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट अभिनंदन एवं स्वागत किया गया।कार्यक्रम में भामाशाह रिखबचंद, पवन कुमार, विशाल कुमार खींवसरा मरुधर बाबरा हाल मुकाम माधावरम-चैन्नई द्वारा भंवरलाल गोठी पब्लिक स्कूल में आधुनिक विज्ञान लैब्ब हेतु इक्कीस लाख रू. के अर्थ सहयोग हेतु स्वीकृति प्रदान की ।

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास, पंचशील नगर,अजमेर

दूरभाष-0145-249953, फैक्स- 0145-2433813, Email-ajmermc@gmail.com.webajmermc.org

क्रमांक: . न.नि.अ/69-ए/2025-26/4562 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 14/8/25

श्री विजय सिंह पुत्र श्री कालू सिंह, निवासी-721/38, देवनारायण मंदिर के पास परबतपुरा, अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल, भीलों का मोहल्ला, परबतपुरा अजमेर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 128.58 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व : रणजीत सिंह का मकान पश्चिम : त्रिलोक का मकान

उत्तर : बिरम का मकान दक्षिण : 15 फीट रास्ता

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यपर्ण करनें के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर-अंदर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

-उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास, पंचशील नगर,अजमेर

दूरभाष-0145-249953, फैक्स- 0145-2433813, Email-ajmermc@gmail.com.webajmermc.org

क्रमांक: . न.नि.अ/69-ए/2025-26/4562 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 14/8/25

कुमारी पिंकी टॉक पत्नी जितेन्द्र रोहिल्ला, निवासी- 345/51, अनुपम नगर भोपों का बाड़ा अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल, ए.एम.सी. नं. 345/51 सोफिया स्कूल के पीछे अनुपम नगर भोपों का बाड़ा अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 256.30 वर्गगज है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व : 30 फीट रास्ता पश्चिम : सम्पत्ति का शेष पश्चिमी भाग

उत्तर : अन्य की सम्पत्ति दक्षिण : 15 फीट आम रास्ता

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यपर्ण करनें के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर-अंदर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

-उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास, पंचशील नगर,अजमेर

दूरभाष-0145-249953, फैक्स- 0145-2433813, Email-ajmermc@gmail.com.webajmermc.org

क्रमांक: . न.नि.अ/69-ए/2025-26/4548 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 14/8/25

श्री दिनेश शर्मा पुत्र श्री बद्रीलाल शर्मा, निवासी- गली नंबर 10 न्यू गोविन्द नगर रामगंज अजमेर प्रस्तावित स्थल, जगन्नाथ मेला लाईन रोड रामगंज, अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 252.77 वर्गगज है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व : 10.6 फुट सड़क पश्चिम : पुष्पेन्द्र शर्मा का मकान

उत्तर : सुमन व अन्य का मकान दक्षिण : बद्रीलाल की सम्पत्ति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यपर्ण करनें के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर-अंदर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

-उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

सरवाड़ रैगर समाज के अध्यक्ष बने पूर्व पार्षद लालाराम कोमल

सरवाड़, (निसं)। शहर में रेगरान समाज की आम सभा की मीटिंग आयोजित हुए यह मीटिंग बाबा रामदेव मंदिर परिसर में आयोजित की गई इस अवसर पर मीटिंग की अध्यक्षता बाबूलाल रेगर की उपस्थिति में आयोजित हुई जिसमें सर्व समिति से लालाराम (पूर्व पार्षद) को अध्यक्ष पद पर चुना गया साथ ही निम्न कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें उपाध्यक्ष कालूराम रेगर संरक्षण रामपाल रेगर महामंत्री गोपाल रेगर मंत्री छोटू राम रेगर संगठन मंत्री रामदेव रेगर प्रचार मंत्री श्रवण लाल रेगर कोषाध्यक्ष शंकर लाल रेगर लेखा निरीक्षक सूरज कुमार रेगर को पद पर चुना गया। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य में कानाराम रेगर, राधेश्याम रेगर, नोरतमल बडोलिया, भगवान रेगर, प्रहलाद रेगर, पुरण रेगर, रामधन रेगर, सूरज रेगर, शंकर रेगर, मुन्ना रेगर व नंदकिशोर करावलियां को कार्यकारी सदस्य में चुना गया। इस दौरान अध्यक्ष लालाराम को माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया इस मौके पर समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

लोहागल से जनाना अस्पताल तक 6 लेन बनेगी सड़क, 20.28 करोड़ आएगी लागत

- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया निर्माण कार्य का शुभारम्भ

अजमेर, (कासं)। सीकर, परबतसर और पुष्कर बाइपास सहित जनाना अस्पताल जाने वाले हजारों लोगों के लिए, राहत भरी खबर है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई जा रही लोहागल तिराहे से जनाना अस्पताल 6 लेन सड़क कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यह सड़क 20.28 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। इसमें डामर व सीसी सड़क, नालियां व डिवाइडर बनाएं जाएंगे।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की यह सड़क जनाना अस्पताल जाने वाली मुख्य सड़क है। अस्पताल जाने वाली गर्भवती महिलाओं को सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शास्त्री नगर से लोहागल तिराहे तक सड़क सुधारी जा चुकी है। आगे की सड़क क्षतिग्रस्त होने, झटके लगने, और खड्डे होने से गर्भवती महिलाओं को परेशानी होती है। साथ ही यह सड़क सीकर, परबतसर, नागौर और पुष्कर बाईपास पर आने जाने वाले वाहनों और इस रोड पर पड़ने वाले दर्जनों गांवों के लिए भी महत्वपूर्ण रोड है। ऐसे में इस सड़क को सुधारा जाना अति आवश्यक था। देवनानी ने कहा कि अजमेर आज एक नई करवट ले रहा है। लोहागल क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर में विद्युत आपूर्ति के लिए ग्रैस आधारित जीएसएस भी स्थापित किया जाएगा। आमजन की सुविधाओं के लिए जल, विद्युत और सड़क जैसे मूलभूत विकास कार्य प्राथमिकता पर किए जा रहे हैं। यह सड़क राजमार्ग के समकक्ष होगी और नागौर आने-जाने वाले आगंतुकों के लिए यह एक नया बदलता अजमेर प्रस्तुत करेगी। डिवाइडर और नालों सहित यह सड़क 20 करोड़ की लागत से निर्मित होगी। इसका निर्माण कार्य भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जाएगा। पिछले डेढ़ वर्ष में ही अजमेर में करोड़ों रुपए की लागत से सड़कों और नालों का निर्माण कार्य किया गया है।

बाल एकांकी नाट्य समारोह का आगाज़ सितम्बर में

अजमेर, (कासं)। आप-हम एवं सपना संस्था द्वारा आयोजित 21वां अजयमेरू बाल एकांकी नाट्य समारोह को लेकर संस्था कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह की आयोजन की तिथि व व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया गया। समारोह सितम्बर माह में आयोजित किया जायेगा। संस्था अध्यक्ष विष्णु अवतार भार्गव ने बताया कि समारोह विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श के साथ सम्मान समारोह पर भी चर्चा की गई। बैठक में इस वर्ष निर्णय लिया गया कि समारोह में हिन्दी एवं राजस्थानी के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा के नाटकों को भी शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/1291 **लोक सूचना** दिनांक: 15-08-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम तोलामाल का खसरा नं. 529/525 कुल क्षेत्रफल 1.4186 हैक्टयेर का रिसोर्ट प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय साक्ष्य / विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री उदय सिंह राठौड पुत्र श्री भंवर सिंह राठौड निवासी राजपुत मोहल्ला गांव तोलामाल वाया किशनगढ़ तोलामाल किशनगढ	तोलामाल 529/525 1.4186 हैक्टेयर	रिसोर्ट प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/1294 **लोक सूचना** दिनांक: 15-08-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम तोलागाल पटवार हल्का बड गांव का कुल क्षेत्रफल 4975 वर्गमीटर का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन मे सबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति होतो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री तेज सिंह राठौड पुत्र श्रीभंवर सिंह निवासी होटल पनघट एन.एच.8 प्रेम नगर तोलामाल किशनगढ़ जिला अजमेर।	तेला माल पटवार हल्का बडगांव तहसील किशनगढ		वणिज्यिक प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु
		531/525	0.0961 हैक्टयर मे से 0.415 हैक्टेयर	
		524/488	0.7542 हैक्टयर मे से 0.4560 हैक्टेयर	
		कुल किता 02 का कुल क्षेत्रफल 4975 वर्गमीटर		

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ

आम सूचना

मेरे दादाजी मुला पुत्र छोगा जाति जाट निवासी जुगलीपुरा की मृत्यु दिनांक 1.4.1999 को मेरे निवास स्थान जुगलीपुरा में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत सिरोंज में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे दादाजी मुला का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। प्रार्थी- कृपालराम जाट पुत्र, छोटूराम जाति जाट निवासी ग्राम जुगलीपुरा, तहसील अरांई(अजमेर)

आम सूचना

हमारी साझेदारी फर्म मै. कुमावत फिलिंग स्टेशन रजिस्टर्ड कार्यालय खसरा नं. 1332, 1333, एनएच-79 अजमेर रोड टांटोटी चौराहा के पास , बान्दनवाडा, अजमेर राज. 3056211 जिसका रजिस्टर नम्बर 17/01/18/2003 दिनांक 1.3.2003 है उक्त साझेदारी फर्म में 1.3.2003 से निम्न साझेदार है 1. हरदेव कुमावत पुत्र रामलाल कुमावत 2. ब्रह्मदेव कुमावत पुत्र हरदेव कुमावत है। उक्त फर्म में दिनांक 5.8.25 को निम्न परिवर्तन किए गए है। मृत्यु के कारण सेवा निवृत्ति साझेदार 1. हरदेव कुमावत पुत्र रामलाल कुमावत/नवीन साझेदार 1. इन्द्रदेव कुमावत पुत्र हरदेव कुमावत/वर्तमान में उक्त फर्म में निम्न साझेदार है। 1. ब्रह्मदेव कुमावत पुत्र हरदेव कुमावत/उक्त परिवर्तन में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में मय सबूत जिला उद्योग केन्द्र, अजमेर पर सूचित करें, बाद मियाद किसी वाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

कुमावत फिलिंग स्टेशन बांन्दनवाड़ा

दरगाह मंसूर अली बाबा की लंगर कमेटी की मीटिंग संपन्न

- 99 वें उर्स मुबारक मौके पर आने वाले जायरीन और मेहमानों की बेहतरीन मेहमान नवाजी के लिए बनी हजरत मंसूर अली दरगाह लंगर कमेटी की मीटिंग शहजाद खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई

भीलवाड़ा / तेजाजी चौक स्थित हजरत मंसूर अली (र.अ.) के आगामी 99 वें उर्स मुबारक मौके पर आने वाले जायरीन और मेहमानों की बेहतरीन मेहमान नवाजी के लिए बनी हजरत मंसूर अली दरगाह लंगर कमेटी की मीटिंग शहजाद खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कमेटी के सरपरस्त असलम पठान ने बताया कि तीन दिवसीय उर्स आगामी 21 से 23 सितंबर को तेजाजी चौक स्थित दरगाह पर आयोजित होंगे, उर्स को लेकर मीटिंग में लंगर से जुड़े कार्यों को लेकर व्यापक चर्चा की गई और जायरीनों के खाने पीने और ठहराने के बेहतरीन इंतेजाम को लेकर कमेटी के सदर आजाद शाह की अध्यक्षता में 7 पदाधिकारियों की लंगर प्रबंधन कमेटी का गठन किया गया जिसमें सलीम पठान, फिरोज मंसूरी, इकबाल पठान, इमरान खां पठान, शानू सिलावट और सलीम मंसूरी को सदस्य बनाया गया। यह कमेटी लंगर के बेहतरीन इंतेजामात के लिए, वॉलियंटर की नियुक्ति करेगी और सभी सदस्य गण उर्स में कमेटी का बैच लगाकर कार्य करेंगे। भाजपा नेता पठान व धार्मिक यात्री खान का किया सम्मान अभी हाल ही में घोषित भारतीय जनता पार्टी की कार्यकारिणी में मुस्लिम समुदाय को प्रतिनिधित्व देते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता अब्दुल रशीद पठान को कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने तथा उमराह के सफर पर जाने वाले गफ्फार खान का मीटिंग में मुस्लिम समुदाय की ओर से कमेटी द्वारा फूल माला एवं साफा बांधकर अभिनंदन किया गया , इस मौके पर कमेटी ने भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा का आभार व्यक्त किया। नवगठित लंगर कमेटी का किया अभिनंदन मीटिंग में उपस्थित विशेष अतिथियों द्वारा आगामी उर्स के लिए नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को फूल माला व साफा बांधकर प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई।

मीटिंग में अकबरी अखाड़े के उस्ताद आरिफ मोहम्मद मेवाफरोश, अंजुमन हायर सेकेंडरी स्कूल एवं दरगाह के चेयरमैन व पार्षद उस्मान खां पठान, सुफियान कब्रिस्तान कमेटी के सदर असलम खान पठान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।कार्यकारिणी सदस्यों में मेहबूब पेंटर, जाकिर हुसैन, आसिफ मीर, रफीक शेख, अल्फेज, मोहम्मद तनवीर, अमान पठान, शोएब खान ने शिरकत की ।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की जे.पी.नगर, मदार योजना के व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 11 क्षेत्रफल (17.50 वर्गगज या 14.63 वर्गमीटर) के आवंटी/अन्तरिति श्री कमल पंवार पुत्र श्री प्रकाश चन्द मोदी निवासी 360/19, नला बाजार अजमेर की मृत्यु दिनांक 12.10.2016 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों में क्रमशः सुश्री सिमरन पंवार पुत्री स्व. श्री कमल पंवार एवं सुश्री मोनिका पंवार पुत्री स्व. श्री कमल पंवार निवासी (दोनों) अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती रानी पंवार पत्नि स्व. श्री कमल पंवार निवासी 360/19, नला बाजार अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 04.08.2018 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की राजस्व ग्राम लोहागल योजना के आवासीय/व्यावसायिक खसरा संख्या 793, एवं 797 मिन, भूखण्ड संख्या 25 एवं क्षेत्रफल 200 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री सैयद अब्दुल रहीम पुत्र श्री सैयद अब्दुल कुदुस निवासी अजमेर की मृत्यु दिनांक 16/04/2023 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों में क्रमशः साजिदा मोइनी पत्नि स्व. श्री सैयद अब्दुल रहीम एवं सैयद कमल रहीम पुत्र स्व. सैयद अब्दुल रहीम निवासी (दोनों) अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद कुचामन सिटी

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in फोन नं- 01586-220022

munibkcity@gmail.com 01586-221526

क्रमांक :– न.प.कु./2025–26/2794 दिनांक :– 13.08.2025

लोक सूचना

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर–कृशिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :–

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्री अशोक शर्मा पुत्र नित्यानन्द शर्मा जाति ब्राहम्ण	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	खारिया	1082/918	0.1552 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 13.08.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/8264 आयुक्त नगरपरिषद कुचामन सिटी

देवली में 30 लाख से अधिक कीमत की वृक्ष संपत्ति बंदरबाट की भेंट चढ़ी!

मामले की जानकारी लेने पर पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा ने चुप्पी साधी

दो साल पहले कोटा रोड पर हरे वृक्षों का झुंड था, जो आज नहीं है।

- दो वर्ष पहले देवली शहर के जयपुर और कोटा रोड का निर्माण देवली पालिका द्वारा करवाया गया था, उस समय दर्जनों प्रतिबंधित एवं गैर प्रतिबंध हरे वृक्ष काटे गए थे

देवली, (निसं)। यहां दो वर्ष पहले देवली शहर के जयपुर और कोटा रोड का निर्माण देवली पालिका द्वारा करवाया गया था। उस समय रोड निर्माण के दौरान दर्जनों प्रतिबंधित एवं गैर प्रतिबंध हरे वृक्ष काटे गए थे। इस मामले पर इन दिनों यहां चर्चाओं का बाजार गरम बना हुआ है। चर्चा यह है कि उक्त दौरान काटे गए लगभग 10 दर्जन हरे वृक्षों की लकड़ियां आखिर गई कहां, क्या हरे वृक्षों की लकड़ियों की नीलामी हुई, अगर नहीं तो फिर लगभग 30 से 35 लाख रुपए कीमत के वृक्ष संपत्ति का क्या हुआ। इस मामले में पालिका के अधिकारी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। वृक्षों की कटाई से प्राप्त लकड़ियों को धरती निगल गई या आसमान खा गया,? के इस सवाल पर मामला यह है कि दो साल पहले लाखों रुपए की बेशकीमती हर वृक्षों की लकड़ी कहीं बंदरबाट की भेंट तो नहीं चढ़ गई।

उल्लेखनीय है कि देवली नगर पालिका ने सत्र 2022-23 में 17 करोड़ की लागत पर ढाई-ढाई किलोमीटर के दो रोड का निर्माण करवाया था। इनमें एक रोड तो टोंक जिले नगर पालिका देवली के अधिकार क्षेत्र का है। तो वहीं दूसरा कोटा रोड जो कि अन्य जिले यानी के भीलवाड़ा जिला क्षेत्र का है। ऐसे में उस दौरान रोड निर्माण की आड़ में कोटा रोड पर से लगभग पांच दर्जन से अधिक हरे भरे विशाल वृक्षों की कटाई कर दी गई थी। रोड निर्माण के उक्त दौरान देवली पालिका और ठेकेदार ने प्रतिबंध नीम, शीशम, पीपल, आम, गुलमोहर और भारी भरकम सफेदा के वृक्ष काटे दिये थे। इसी प्रकार जयपुर रोड निर्माण दौरान लगभग 4 से 5 दर्जन भारी भरकम हरे-भरे वृक्षों की कटाई कर दी गई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि रोड निर्माण दौरान जिन हरे वृक्षों की कटाई की गई, उन भारी भरकम हरे वृक्षों से प्राप्त बेशकीमती लकड़िया देवली पालिका प्रशासन ने कहां सुरक्षित रखवाई। इसलिए कि देवली पालिका परिसर में उक्त रोड निर्माण के दौरान काटे गए वृक्षों की लकड़ियां दिखाई नहीं दे रही है।

इस मामले में लोगों ने जानकारी में बताया कि पालिका ने कोटा रोड और जयपुर रोड पर जिन हरे वृक्षों की कटाई करवाई थी, उन वृक्षों से प्राप्त लकड़ियों की कीमत लगभग 30 लाख रुपए से भी अधिक होनी चाहिये। इसके अलावा कोटा रोड पर ओम मेटल के बाहर रोड किनारे लगे हुए दर्जनों भारी भरकम सफेदा के वृक्ष भी सरकारी भूमि से गायब दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या देवली नगर पालिका प्रशासन ने रोड निर्माण दौरान काटे गए हरे भरे वृक्षों से प्राप्त लाखों रुपए कीमत की लकडियों की नीलामी करवाई है, या भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर तहसील कार्यालय से इनकी नीलाम हुई हो।

इस मामले में जब पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा से जानकारी चाही तो अधिकारी सुरेश कुमार मीणा ने फोन रिसीव करना बंद कर दिया। इस पर उनके व्हाट्सऐप पर संदेश भेजकर उक्त मामले की जानकारी चाही गई। यह बताते हुए कि नगर पालिका प्रशासन के द्वारा अभी हाल ही में 2 वर्ष पहले जयपुर और कोटा रोड का फोरलेन निर्माण करवाया गया था। उक्त दौरान देवली पालिका प्रशासन के ठेकेदार ने दर्जनों विशालकाय हरे-भरे वृक्षों की कटाई कर दी थी। उक्त दौरान काटे गये दर्जनों वृक्षों से प्राप्त मोटे तने की लकड़ियों को किस स्थान पर रखवाया गया। या किस कार्य में इस्तेमाल लिया गया, या इनका स्टॉक कहां रखा हुआ है, या इनकी नीलामी कब करवाई गई, अगर नीलामी हुई तो खरीदार द्वारा जमा कराई गई राशि देवली पालिका किस के मद में जमा हुई है एवं काटे गए कितने पेड़ों की लकड़ियों की नीलामी की गई लकडियों की नीलामी से पालिका कोष को कितना धन प्राप्त हुआ। इन सब सवालों के जवाब पालिका अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीना से मांगे गए, लेकिन सुरेश कुमार मीणा ने इस मामले में अब तक कोई जानकारी नहीं दी और अपने आप में चुप्पी साध ली।

प्रतिबंधित दवाइयों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित दवा जब्त की।

- सी.बी.एन. जयपुर सेल के अधिकारियों ने तीन वाहनों व आवासीय परिसर में छापामार कर कार्रवाई की
- प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टेबलेट और कोडीन फॉस्फेट की बोतलें व नकदी बरामद की

कोटा, (निसं)। नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों ने तीन वाहनों व आवासीय परिसर में छापामार कर प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टेबलेट और कोडीन फॉस्फेट की बोतलें जब्त करने के साथ नकद 42,780 रुपये बरामद किए गए। टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति अपनी बाइक से छाबड़ा रोड, सोडाला पर प्रतिबंधित ट्रामाडोल ले जाने वाले हैं। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और उक्त व्यक्तियों को रोकने के लिए टीम को रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखने के बाद, संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की पहचान की गई और उन्हें चंबल पॉवर हाउस, छाबड़ा रोड़, जयपुर के पास रोक लिया और टीम ने मौके पर वाहनों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के ऊपर डिब्बों में छुपाए गए 33 डिब्बों में 7920 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और 118 कोडीन फॉस्फेट की बोतलें बरामद की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि पूछताछ के बाद एक टीम को सप्लायर को पकड़ने के लिये रवाना किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए पेट्रोल पंप वाले बालाजी, सोडाला के पास सप्लायर को रोक लिया। टीम ने मौके पर सप्लायर की तलाशी लेने पर तलाशी के दौरान अवैध दवा की बिक्री की राशि 42,780 रुपये नकद बरामद किए गए।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने पकड़े गये सप्लायर से पूछताछ के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीकर रोड़ स्थित आवासीय परिसर पर छापामार कार्रवाई करते हुए ट्रामाडोल की 2184 कैप्सूल, अल्प्राजोलम की 600 गोलियाँ और कोडीन फॉस्फेट की 97 बोतलें बरामद की। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद प्रतिबंधित दवाओं सहित 3 मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया गया तथा चार लोगों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

पत्नी और मासूम बेटे पर हमला कर पति ने सुसाइड किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में सोमवार को एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। पति-पत्नी के आपसी मनमुटाव में पति मरने और मारने तक पहुंच गया। उसने ना केवल अपनी पत्नी और मासूम बेटे पर तलवार से जानलेवा हमला कर दोनों को लहुलूहान कर दिया। तो वहीं खुद ने भी ट्रेन के आगे कूद जान दे दी।

जानकारी के मुताबिक आरएसी बीकानेर में कार्यरत इण्डाली गांव निवासी राजकुमार कांटीवाल की शादी करीब सात साल पहले नयासर गांव की कविता देवठिया के साथ हुई थी। राजकुमार आरएससी में जवान था, तो कविता देवठिया पंचायतराज विभाग में एलडीसी के पद पर कार्यरत है। कुछ सालों से दोनों के बीच मनमुटाव चल रहा था। जो आज अलसुबह खूनी खेल में बदल गया। कविता अपने बच्चे के साथ किसान कॉलोनी की एक बिल्डिंग में किराए पर रहती है। बताया जा रहा है कि कविता और उसके पति राजकुमार के बीच सोमवार सुबह चार बजे अचानक झगड़ा हुआ।

इस दौरान जोर-जोर से झगड़े के बाद राजकुमार ने कविता के उपर तलवार से वार किए। इस दौरान बच्चे पर भी वार किया। दोनों की चीख-पुकार सुनकर पड़ौसी पहुंचे तो राजकुमार वहां से भाग गया। पड़ौसियों ने दोनों मां-बेटे को अस्पताल पहुंचाया। जहां से मां कविता की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर किया गया। हमले में कविता की अंगुली तक कटकर अलग हो गई और पूरे फ्लेट में खून ही खून बिखर गया। पुलिस आरोपी राजकुमार को तलाश कर रही थी कि इस घटना के करीब तीन घंटे बाद राजकुमार की लाश चिड़ावा कृषि मंडी के पास स्थित अंडरपास के समीप रेलवे ट्रेक पर मिली। राजकुमार ने अपनी गाड़ी को इसी अंडरपास के समीप खड़ी की और रेल के आगे कूद गया। रेलवे चालक ने लाश को रतनशहर तक पहुंचाया और फिर लाश को बगड सीएचसी रखवाया गया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इस मामले में मृतक राजकुमार के परिजनों ने चिडावा पुलिस को रिपोर्ट दी है। जिसमें उन्होंने मामले की जांच की मांग की है।

युवक की संदिग्ध हालत में मौत, परिजनों ने धरना दिया

बीकानेर, (निसं)। बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में बीकाजी की फैक्टरी के पीछे रहने वाले एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। बीठनोक निवासी असगर के घर में शादी होने के कारण वह अपनी पत्नी-बच्चों को लेने बीकानेर गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। 15 अगस्त को उसे गंभीर हालत में 108 एंबुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के विरोध में मृतक के परिजनों ने मुर्दाघर के सामने धरना लगा दिया तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। पुलिस के आश्वासन के बाद धरना उठाया गया। मृतक के भाई जब्बार की रिपोर्ट पर मुक्ता प्रसाद थाने में मृतक की पत्नी जायदा और उसकी मां अन्नू तथा खलील के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना बीछवाल स्थित बीकाजी की फैक्टरी के पीछे की बताई जा रही है। आरोप है कि तीनों ने षड़यंत्र रचकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। जब्बार ने खलील के उसकी भाभी के साथ अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

मुक्ता प्रसाद थाना एसएचओ विजेंद्र सीला ने बताया कि असगर को 15 अगस्त को नशे की हालत में पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उसके शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट का इंतजार है। मुकदमे की जांच एसआई राजेंद्र को सौंपी गई है।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर/सीकर, (निसं)। एसीबी की सीकर टीम ने पटवार हल्का खण्डेलसर तहसील दांतारामगढ़ के पटवारी सुनील कुमार को विरासत का नामांतरण भरने की एवज में परिवादी से तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। आरोपित पटवारी ने परिवादी से नौ हजार रुपये बतौर रिश्वत की मांग करने तथा रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान छह हजार रुपये प्राप्त कर शेष तीन हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी की सीकर टीम को परिवादी ने शिकायत ने दी कि उसके विरासत का नामान्तरण भरने की एवज में पटवारी सुनील कुमार नौ हजार की रिश्वत मांग रहा है जिस पर एसीबी सीकर टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पटवारी को तीर हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

घर में अकेली रहने वाली महिला की मौत

अनूपगढ़, (निसं)। प्रेमनगर में एक महिला का शव उसके घर की छत पर चारपाई पर मिला। मृतका की पहचान गीता देवी (47) के रूप में हुई। वह पति खेताराम मेघवाल से अलग रहकर दिहाड़ी मजदूरी करती थी। गीता देवी 15 अगस्त को सतराना स्थित अपने पिता के घर से लौटी थी। इसके बाद वह दो दिन तक घर से बाहर नहीं निकली। पड़ोसियों को शक होने पर उन्होंने छत पर जाकर देखा। महिला बेसुध अवस्था में मिली। पुलिस को सूचना दी गई। एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव पर फफोले थे और शरीर काला पड़ गया था। एफएसएल टीम ने जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध परिस्थिति नहीं मिली। मृतका के पिता उत्तमा राम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी की मौत हार्ट अटैक से हुई है।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक :- एफ/साविम/खु.नि. स्टोर/2025-26/01 दिनांक :- 14/08/2025

खुली निविदा सूचना

महाविद्यालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सफाई कार्य हेतु खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की अंतिम तिथी 28.08.2025 है। निविदा का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.raubikaner.org and http://www.sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा निरस्त करने का अधिकार महाविद्यालय के पास सुरक्षित है।

NIB Code : SKA2526A0024, UBN No. : SKA2526SSRC00041

राज.संवाद/सी/25/8297 अधिष्ठाता

अवैध गांजा की खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध गांजा खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जीवली गांव के एक खेत से 19.310 किलो गांजे के हरे पौधे जब्त किए हैं। वहीं आरोपी मोहर सिंह (52) को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी टीनू सोगरवाल की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि जीवली गांव में एक व्यक्ति गांजे की खेती कर रहा है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। खेत की जांच में पाया गया कि अमरूद और गन्ने के पेड़ों के बीच 5-6 फीट ऊंचे गांजे के पौधे छिपाकर उगाए गए हैं। मौके पर मौजूद मोहर सिंह ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसके पास गांजा उगाने का कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं है। पुलिस ने इलेक्ट्रिक कटर से पौधों की कटाई कर उन्हें प्लास्टिक के कट्टों में सील किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी पीलोदा मानसिंह को केस की जांच सौंपी गई है।

पिता का सिर फोड़ा, मौत, बेटा गिरफ्तार

- घायल सुमेर सिंह ने जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, पुलिस हत्या के आरोपी बेटे से पूछताछ कर रही है

सिंघाना, (निसं)। थाना इलाके में एक बुजूर्ग पिता को उसके ही बेटे ने इतनी बुरी तरह पीटा कि इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। इसी बेटे ने करीब दो महीने पहले ही अपनी फेसबुक पर फोटो के साथ लिखा था कि रो पड़ा वह फकीर भी मेरी हाथ की लकीर देखकर तुझे अपने ही मारेंगे।

जानकारी के मुताकि यह घटना 10 अगस्त की है। मृतक सुमेर सिंह के बड़े बेटे संजय ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि 10 अगस्त को घर पर उसका छोटा भाई राकेश, उसके पिता सुमेर सिंह तथा माता घर पर थे। छोटे भाई राकेश और उसके पिता सुमेर के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद राकेश ने घर में ही रखी लोहे की एंगल से सुमेर सिंह के सिर पर तीन-चार ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल सुमेर सिंह को पहले सिंघाना सीएचसी, फिर झुंझुनूं बीडीके अस्पताल ले जाया गया, जहां से जयपुर एसएमएस के लिए रैफर किया गया। जहां पर सुमेर सिंह का इलाज चला। लेकिन 16 अगस्त को सुमेर सिंह ने जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने संजय की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अपने पिता की हत्या के आरोप में राकेश को गिरफ्तार कर लिया है।

राकेश की गिरफ्तारी के बाद जब इस मामले का खुलासा हुआ तो सामने आया कि राकेश ने 29 जून को अपनी फेसबुक पर फोटो के साथ लिखा था कि रो पड़ा वह फकीर भी मेरी हाथ की लकीर देखकर तुझे अपने ही मारेंगे। राकेश को किसी अपने ने मारा हो या ना मारा है, लेकिन राकेश ने अपने पिता को जरूर मार दिया। यही नहीं राकेश अपने पिता के साथ जयपुर भी गया बताया। क्योंकि 13 अगस्त को ही उसने जयपुर में भर्ती अपने पिता की फोटो भी फेसबुक पर शेयर की थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कार्यालय नगर परिषद् बांसवाडा (राज.)

फोन : 02962-243714, 247201, फैक्स : 02962-243714 Email Id :palika.bsw@gmail.com

क्रमांक : एफ 5( )निर्माण / न.प.बा. / 2025-2026 / 3129-31 दिनांक : 11.08.2025

निविदा सूचना सं. 06/2025-26

(NIB NO DLB2526A4719)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से कुल 01 निर्माण कार्य जिसकी कुल लागत 15.00 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की अवधि दिनांक 13/08/2025 प्रातः 9 बजे एंव दिनांक 23/08/2025 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित अन्य शर्ते एवं विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2526WSOB14561

राज.संवाद / सी / 25 / 8313 आयुक्त नगर परिषद्, बाँसवाड़ा

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 1258 Date :- 14/08/2025

NOTICE INVITING BID

NIB No. : 24,25/2025-26

Bids for Various works of Project PMKSY 2.0 of estimated value INR (107.98+59.79+46.06+126.98) 340.81 Lacs, 15.51 Lacs are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 24-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB Code & UBN No. :- WSC2526A0640, WSC2526WSRC01103 To 01106

NIB Code & UBN No. :- WSC2526A0643, WSC2526WSRC01107

Raj.Samwad/C/25/8314 Superintending Engineer and Project Manager

वैष्णो देवी दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप पलटी, 25 घायल

पुलिस ने अस्पताल में जाकर घायलों से जानकारी ली।

- गंभीर रूप से आठ घायल यात्रियों को भरतपुर जिला अस्पताल रैफर किया, उपचार जारी
- जरैला गांव के निकट गौवंश को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर का संतुलन बिगड़ने से हादसा हुआ

रूपबास, (निसं)। रूपबास उपखण्ड के गांव जरैला के पास वैष्णो देवी दर्शन को जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप पलटी गई। हादसे में 25 यात्री घायल हो गए, जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने रूपबास उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जिसमें गंभीर रूप से आठ घायल यात्रियों को भरतपुर जिला अस्पताल रैफर कर दिया है। वहीं हादसे की ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रूपबास थाना प्रभारी चंद्र मोहन, एएसआई हरदम सिंह, कांस्टेबल अमित, श्रीनिवास, अभिषेक तथा आरएसी मय जाब्ता तथा पुलिस वाहन मौके पर पहुंचे तथा गंभीर घायलों को तुरंत रूपबास उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

रूपबास उपजिला चिकित्सालय इंचार्ज बीसीएमओ लखन चौधरी ने बताया कि रूपबास चिकित्सालय में 18 घायलों को लाया गया, जिसमें 8 घायलों को भरतपुर रैफर किया गया है, जिसमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रुपबास के चकसमारी गांव से वैष्णो देवी दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप पलटने से 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 15 यात्रियों को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। 4 से 5 यात्री गंभीर घायल हैं। जानकारी के अनुसार भरतपुर से ट्रेन रिजर्वेशन था, इसलिए सभी यात्री एक पिकअप द्वारा आगरा रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए। अचानक जरैला गांव के निकट गौवंश सामने आ जाने से गौवंश को बचाने की कोशिश में पिकअप पलट गई। पिकअप वाहन पलट जाने से सभी यात्री बुरी तरह घायल हो गए। वाहन चालक को भी चोट आई है। उसके हाथ की चार उंगली कट जाने की खबर है तथा और भी सभी यात्रियों को चोटें आई हैं। जिन यात्रियों को चोट कम आई हैं उन्हें रूपबास उपजिला चिकित्सालय से छुट्टी देकर घर भेज दिया गया है। भरतपुर हॉस्पिटल में घायलों का इलाज चल रहा है।

दस क्विंटल से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त बरामद

- मिनी ट्रक की तलाशी के दौरान खाद के कट्टों के नीचे डोडा-पोस्त के कट्टे मिले
- पुलिस ने मिनी ट्रक चालक और परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम की स्पेशल टीम और राजीव गांधी नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चौखा हाइवे पर एक मिनी ट्रक को रूकवाया। ट्रक में खाद भरी होने की जानकारी दी गई, मगर जब तलाशी ली गई तो खाद के कट्टों के नीचे अवैध डोडा-पोस्त के कट्टे मिले। ट्रक से करीब दस क्विंटल से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ है। पुलिस ने मिनी ट्रक के चालक और परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ आरंभ की है। अवैध डोडा-पोस्त की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जाती है।

राजीव गांधी नगर पुलिस और जिला पश्चिम की स्पेशल टीम ने चौखा हाइवे पर अलसुबह नाकाबंदी की थी। तब डीएसटी वेस्ट को मुखबिर सूचना मिली कि हाइवे से निकलने वाले एक मिनी ट्रक में अवैध डोडा-पोस्त भरा हुआ है। इस पर चौखा हाइवे से निकलने वाले ट्रक को रूकवाकर चालक से पूछताछ किए जाने पर उसने बताया कि उसमें खाद के कट्टे भरे हैं। तब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी। खाद के कट्टों के नीचे डोडा-पोस्त के कट्टे मिले। दोपहर तक पुलिस कट्टों की संख्या और अनुमानित वजन करने में लगी थी। प्रथमदृष्टया बताया गया कि मिनी ट्रक से दस क्विंटल से ज्यादा डोडा पोस्त लदा हुआ था।

कपिल सरोवर में बच्चे की डूबने से मौत : बीकानेर में कपिल सरोवर में रविवार रात लापता हुए आठ वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गणेश पुत्र प्रसाद निवासी कुन्हाड़ी कोटा रविवार रात कपिल सरोवर परिसर से अचानक लापता हो गया था। बच्चे की गुमशुदगी की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी, जिसके बाद तलाश शुरू की गई। पुलिस और परिजनों की कोशिशों के बावजूद बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। बच्चे के कपिल सरोवर में डूबने की आशंका जताने पर एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीम ने कपिल सरोवर में सर्च अभियान चलाकर बच्चे का शव बाहर निकाला। पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और शव को कोलायत सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया।

कार्यालय नगर परिषद बारां

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

कमाकं.-न.प.बारां / मेला शाखा / 2025 / 4022-23 दिनांक : 14.08.2025

अभिव्यक्ति की अभिरूचि (Expression of Interest-EOI) का आमत्रण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हर वर्श की भांति नगर परिषद बारां द्वारा डोल मेला 2025 का आयोजन दिनांक 03.09.2025 से किया जा रहा है। डोल तालाब में नांव संचालन (पेडल बोट व मोटर बोट) हेतु EOI आमंत्रित की जाती है जिसमें इच्छुक निविदादाता एक मुश्त दर बन्द लिफाफे में भरकर नगर परिषद बारां कार्यालय (मेला शाखा) में दिनांक 20.08.2025 को दोपहर 02.00 बजे तक जमा करा सकते है। निविदा दिनांक 20.08.2025 को 04.00 बजे खोली जायेगी। यह कार्य मेला अवधि के लिये किराये की निविदादाता संवेदक को संलग्न शर्तो की पालना करना अनिवार्य है।

विस्तृत अभिव्यक्ति की अभिरूचि (EOI) नगर परिषद कार्यालय तथा वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त / डाउनलोड़ की जा सकती है।

UBN No. : DLB2526SSOB14659

राज.संवाद / सी / 25 / 8268 आयुक्त

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर

स्वास्थ्य भवन,त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर

फोन-0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/1489 दिनांक- 05.08.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-32/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर एवं श्री गंगानगर में कुल रू. 257.72 लाख के 15 स्वास्थ्य केन्द्रो पर विद्युत कार्यो हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त विद्युत श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त विद्युत श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN - 1. NRH2526WSOB00853, 2. NRH2526WSOB00854, 3. NRH2526WSOB00855, 4. NRH2526WSOB00856, 5. NRH2526WSOB00857, 6. NRH2526WSOB00858, 7. NRH2526WSOB00859, 8. NRH2526WSOB00860, 9. NRH2526WSOB00861, 10. NRH2526WSOB00862, 11. NRH2526WSOB00863, 12. NRH2526WSOB00865, 13. NRH2526WSOB00867, 14. NRH2526WSOB00868, 15. NRH2526WSOB00869

(शिम्भू राम जाटव)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर

DIPR/C/11528/2025

नगरीय विकास के तमाम प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करें : मुख्यमंत्री

नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य पर फोकस रखें : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत और विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

■ **शहरी क्षेत्र में पर्याप्त नागरिक सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार, सुनियोजित शहरी विकास को मिल रही गति : मुख्यमंत्री**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सुनियोजित विकास को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे को गति मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय विकास से संबंधित प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा करें। साथ ही, अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य पर फोकस करें जिससे जनता को समय से इनका लाभ मिले। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं आवास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरत एवं वर्तमान प्रचलन को ध्यान में रखते हुए कार्य करें ताकि बोर्ड की राजस्व में वृद्धि हो सके। साथ ही, हाउसिंग बोर्ड निजी विकासकर्ता से प्रतिस्पर्धा करते हुए आमजन को गुणवत्तायुक्त आवास उचित मूल्य में उपलब्ध करवाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार करे, परियोजनाओं में नवाचार लाए और इनके विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी शामिल करे, ताकि आमजन को ज्यादा से ज्यादा इनका लाभ मिल सके। शर्मा ने कहा कि जयपुर में द्रव्यवती नदी के दोनों ओर से अतिक्रमण को प्राथमिकता के साथ हटाया जाए, इस क्षेत्र का पर्यटन की दृष्टि से उन्नयन किया जाए, ताकि आमजन के साथ ही पर्यटक भी इसका लाभ उठा सकें। उन्हांने कहा कि द्रव्यवती नदी पर पौधारोपण के कार्य में भी गति लाई जाए। बैठक में बताया गया कि जयपुर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए आमजन की सुगम आवाजाही के लिए रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, अपेक्स सर्किल पर एलिवेटेड रोड के निर्माण की डीपीआर के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नागरिक सुविधाएं जैसे सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क, लोक परिवहन हेतु कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना शुरु की जाएगी जिससे प्रदेष के सभी नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या के बढ़ते दबाव का प्रबंधन हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इस योजना के क्रियान्वयन के संबंध में नियमित बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न लंबित बजटीय घोषणाओं के एनआईटी, टेण्डर, वर्कऑर्डर तथा डीपीआर बनाने सहित विभिन्न कार्यों को तय समय में पूरा करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्टस को चरणबद्ध पूरा करें। साथ ही, हर चरण पर अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाडी एवं विद्याधर नगर (टोडी मोड़ तक) मेट्रो संचालित की जाएगी। अधिकारी इसके काम में गति लाएं, ताकि निर्धारित समय में कार्य पूरा हो। उन्होंने जोधपुर के बड़ली में आवासीय योजना लाने तथा भिवाडी विकास प्राधिकरण के गठन के संबंध में तेज गति से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 की सभी बजट घोषणाओं में जल्द से जल्द भूमि आवंटित कर कार्य शुरू किया जाए। साथ ही, अधिकारी योजनाओं की अनुमानित लागत के आधार पर योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने बजट की विभिन्न घोषणाओं के अंतर्गत बाड़मेर, धौलपुर, फुलेरा सहित अन्य शहरों की विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में भीम-राजसमंद ड्रेनेज सिस्टम, सूरजगढ़-झुंझुनू में सीवरेज लाईन, दौसा शहर मे सीवरेज मास्टर प्लान तारानगर-चुरु, नगर व सीकरी-डीग में ड्रेनेज के प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सीवरेज कार्य भी समयबद्ध रूप से करवाए जाएं, ताकि आमजन को बेहतर यातायात एवं स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने अलवर, पाली, भीलवाड़ा, दौसा, हनुमानगढ़, झुंझुनूं में निर्मित सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का संचालन शीघ्र प्रारम्भ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, किसानों की सहभागिता से इस संबंध में एक सेमिनार भी आयोजित किया जाए। शर्मा ने कहा कि बैठक में शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती देने के लिए तथा ई-बसों के सुगम संचालन हेतु मॉडर्न शेल्टर कम चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं। बैठक में बजट 2024-25 एवं 2025-26 की नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग से संबंधित घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

रेडियो मिर्ची और संजीवनी बिल्डहोम की सेना के जवानों के लिए अनूठी पहल

■ **''मिर्ची प्लॉट 983'' अभियान के तहत सेना के जवानों को एक अनमोल तोहफा दिया जाएगा**

जयपुर। रेडियो के इतिहास में पहली बार, मिर्ची और संजीवनी बिल्डहोम लेकर आए हैं ''मिर्ची प्लॉट 983'', उनके लिए घर, जो रहते हैं सरहद पर।

आम तौर पर रेडियो स्टेशनों में रेडियो मिर्ची का नाम संगीत और मनोरंजन के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को न सिर्फ रेडियो पर बल्कि, ऑन ग्राउंड और डिजिटल मीडियम पर सफलता पूर्वक करने के लिए प्रमुखता से जाना जाता रहा है, लेकिन इस बार रेडियो मिर्ची जयपुर ने एक अनोखी पहल शुरू की है।

संजीवनी बिल्डहोम के साथ मिलकर मिर्ची ने एक ऐसा अभियान चलाया है जो हमारे देश के वीर जवानों को उनकी शानदार सेवाओं के लिए सम्मानित करता है।

इस अभियान के तहत, जिसका नाम ''मिर्ची प्लॉट 983'' है, देश के लिए दिन-रात सरहद पर खड़े रहने वाले जवानों को एक अनमोल तोहफा दिया जाएगा। कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेकर कोई भी व्यक्ति अपने किसी जानकर, जो भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना या किसी भी भारतीय सेना इकाई का हिस्सा है, वे नॉमिनेट कर सकते हैं।

संजीवनी बिल्डहोम और मिर्ची जयपुर का ये सहयोग एक भाग्यशाली विजेता को जयपुर में एक पूरा प्लॉट जीतने का मौका देगा। ये पहल ना सिर्फ जवानों के लिए सम्मान का प्रतीक है, बल्कि देश के लोगों को उनके योगदान के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास भी है। इस खबर के साथ दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके अपने परिवार या किसी जानने वाले को नॉमिनेट कर सकते हैं।

15 हजार का फरार इनामी बदमाश लाभचंद गिरफ्तार

■ **आरोपी पूर्व में भी 2.6 क्विंटल अफीम दूध की तस्करी में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के हत्थे चढ़ चुका है**

जयपुर। एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) राजस्थान ने लंबे समय से फरार इनामी व मादक पदार्थ तस्करी में वांछित आरोपित लाभचन्द को दबोचा है। आरोपित की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक श्री गंगानगर से 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एटीएस पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एटीएस राजस्थान ने ईनामी व मादक पदार्थ तस्करी में वांछित आरोपित लाभचंद (41) निवासी बेंगू जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपित लाभचन्द, पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से पढ़ाई बीच में छोड़कर खेती-बाड़ी करने लगा। पैसों की कमी के चलते जाना चाहता था, पर अन्दर-ही-अन्दर पकड़े जाने का डर भी सता रहा था। आरोपित लाभचन्द न तो पैसे कमा सका और न ही ऐसो आराम की जिंदगी जी पाया। उल्टा फरारी के दौरान पुलिस के भय से दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो गया। आरोपित लाभचन्द को पूर्व में भी लगभग 2.6 क्विंटल अफीम दूध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किया था।

कुमार ने बताया कि एटीएस टीम के विश्लेषण से यह सामने आया कि लाभचन्द अपनी पत्नी के मिलने के लिये अपने दूर के रिश्तेदार के वहां जाता हैं तथा पत्नी को भी वहीं बुला लेता हैं। इस पर एटीएस टीम ने छद्म भेष में लाभचन्द के परिवार के आवागमन पर निगरानी रखनी शुरू की। जहां लाभचन्द की पत्नी बीमार है व उसके ईलाज के लिये उसको भीलवाड़ा डॉक्टर को दिखाने जाता है। एटीएस टीम को सूचना मिली कि लाभचन्द पुलिस के भय से घर के आसपास फरारी काट रहा है, इसी आसूचना के आधार पर उसके संभावित ठिकाने पर दबिश देकर आरोपी को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की।

राजस्थान की दूसरी सेना भर्ती रैली 25 अगस्त से सीकर में होगी

जयपुर। वर्ष 2025-26 के लिए भर्ती क्षेत्र राजस्थान की दूसरी सेना भर्ती रैली, भर्ती कार्यालय (मुख्यालय) जयपुर द्वारा जिला स्टेडियम सीकर में 25 अगस्त से 16 सितम्बर 2025 तक आयोजित की जायेगी। यह रैली जयपुर, सीकर और डीडवाना-कुचामन जिलों के लिए होगी। इस रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंस/एसकेटी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वी पास और 10वी पास) श्रेणियों के लिये कॉमन एंट्रेन्स एग्जाम 2025 में शामिल हुए 10 हजार हजार से अधिक अभ्यर्थियों को कोल अप जारी किया गया है। इसके अलावा, सिपाही फार्म, सैनिक तकनीकी नर्सिंग सहायता हवालदार शिक्षा (सूचना और तकनीक / साइबर, सूचनात्मक कार्यवाही और भाषाविद), हवालदार सर्वेयर स्वचलित मानचित्रकार, जूनियर कमीशन अधिकारी कैटरिंग और धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी। की क्षेत्रीय और केन्द्रीय श्रेणी की भर्ती रैली भी 25-26 अगस्त को आयोजित की जाएगी।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने पकड़ीं प्रतिबंधित दवाइयां

जयपुर। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। टीम ने जयपुर सोडाला से प्रतिबंधित दवाइयां ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टैबलेट की बडी खेप व कोडीन फॉस्फेट की बोतलें पकड़ी हैं। साथ में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 42 हजार की नगदी भी बरामद की है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा नरेश बुन्देल ने बताया कि जयपुर सेल के अधिकारियों को दो व्यक्तियों के बाइक से सोडाला के छाबड़ा रोड पर प्रतिबंधित ट्रामाडोल ले जाने की सूचना मिली थी। इस पर टीम मौके पर गई। संदिग्ध की निगरानी रखी। उन्हें जयपुर के छाबड़ा रोड चंबल पावर हाउस के पास रोका। तलाशी के दौरान वाहन में छुपाए गए 33 डिब्बों में 7 हजार 920 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और 118 कोडीन फॉस्फेट की बोतलें मिली। पूछताछ के बाद एक टीम सप्लायर को पकडने के लिए रवाना हुई। उसे पेट्रोल पंप वाले बालाजी, के पास रोका। तलाशी में सप्लायर के पास से दवा बिक्री की रकम 42 हजार 780 बरामद की। सप्लायर ने पूछताछ में स्टॉकिस्ट के बारे में बताया। इसके बाद टीम ने सीकर रोड स्थित एक आवासीय परिसर में छापा मारा। ट्रामाडोल की 2184 कैप्सूल, अल्प्राजोलम की 600 गोलियां और कोडीन फॉस्फेट की 97 बोतलें बरामद हुई।

पतंजलि को मिला अंतरराष्ट्रीय स्तर का ए.ई.ओ. टायर-2 प्रमाणपत्र

व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यिमता का नया कीर्तिमान स्थापित किया पतंजलि ने : स्वामी रामदेव

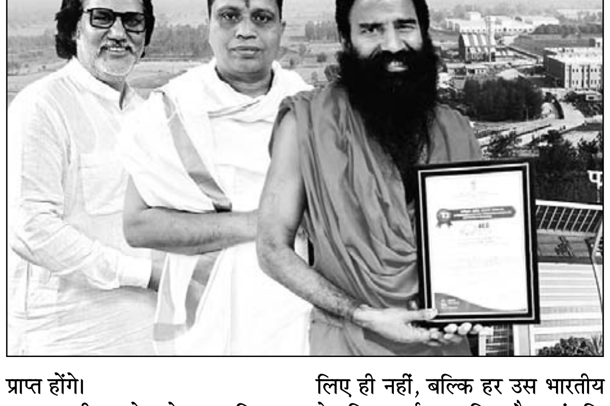

नई दिल्ली। देश की आज़ादी के अमृत महोत्सव में भारत के घर-घर में विश्वास का प्रतीक बनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने स्वदेशी इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। वर्ल्ड कस्टम्स ऑर्गेनाइजेशन और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय- भारतीय सीमा शुल्क ने पतंजलि को ऑथोराइज्ड इकोनॉमिक ऑपरेटर टायर-2 (ए.ई.ओ.) प्रमाणपत्र प्रदान किया है।

यह प्रमाणपत्र विश्वस्तरीय व्यापार में ईमानदारी, पारदर्शिता और सप्लाई चेन सुरक्षा के उच्चतम मानकों का प्रतीक है। भारत की सर्वोच्च कंपनियों में केवल गिनी-चुनी कंपनियों के पास ही यह दर्जा है, और एफ.एम.सी.जी. सेक्टर में तो यह गौरवशाली प्रमाणपत्र केवल कुछ ही कंपनियों को प्राप्त है। अब इस सूची में पतंजलि का नाम स्वर्ण अक्षरों में जुड़ गया है।

उल्लेखनीय है कि पतंजलि फूड्स को इस एईओ टायर-2 प्रमाणपत्र से कम्पनी को ड्यूटी डिफर्ड पेमेंट, बैंक गारंटी से छूट, डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी, 24 घंटे और हफ्ते के 7 दिन क्लियरेंस सुविधा के साथ और कुल 28 प्रकार से अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक लाभ प्राप्त होंगे।

स्वामी रामदेव ने कहा कि यह किसी भी कंपनी की गुणवत्ता, सत्यनिष्ठा, पारदर्शी कार्यप्रणाली और राष्ट्रिहत में योगदान का प्रमाण है। पतंजलि ने अपने गुणवत्ता की प्रामाणिकता ,कर्मयोग, कर्तव्यनिष्ठा और स्वदेशी भावना के बल पर यह विशेष मानक प्राप्त किया है। यह केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक आज़ादी को और मज़बूत करने वाला सम्मान है। स्वामी रामदेव ने कहा कि आज का दिन पतंजलि परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस भारतीय के लिए गर्व का दिन है, पतंजलि विश्वसनीयता, प्रमाणिकता, प्रतिस्पर्धा व गुणवत्ता के क्षेत्र में प्रतिदिन नई गति से आगे बढ़ रहा है तथा व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यिमता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है ,जो भारत को आर्थिक रूप से विश्वगुरु बनते देखना चाहता है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि ''यह उपलब्धि पतंजलि के संपूर्ण परिवार, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं की सामूहिक साधना का फल है।

देवनानी जाएंगे अयोध्या

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को दो दिवसीय उत्तर प्रदेश यात्रा पर जाएंगे। देवनानी इस यात्रा के दौरान बुधवार 20 अगस्त को प्रात: 6 बजे अयोध्या के राम मंदिर में पूजा अर्चना कर आरती करेंगे। देवनानी मंगलवार को दोपहर में वायुयान से जयपुर से रवाना होकर लखनऊ पहुँचेंगे। देवनानी लखनऊ से सडक मार्ग द्वारा अयोध्या जायेंगे।

परिसीमन के नाम पर लंबे समय तक स्थगित नहीं रख सकते पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव : हाईकोर्ट

■ **''अदालत ने कहा कि जहां पंचायत भंग होती है, वहां आदर्श रूप से 6 माह के भीतर चुनाव होने चाहिए। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो।''**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि परिसीमन के नाम पर लंबे समय तक पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्थगित नहीं रखे जा सकते। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो, ताकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार समय पर चुनाव कराए जा सके। जहां पंचायत भंग होती है, वहां आदर्श रूप से छह माह के भीतर चुनाव होने चाहिए।

अदालत ने कहा कि निवर्तमान सरपंचों को अपनी पंचायतों के दैनिक कार्य के प्रबंधन के लिए प्रशासक लगाया गया और पंचायतों के विघटन के छह माह बाद उन्हें प्रशासक पद पर बने रहने की अनुमति दी गई, लेकिन बाद में उन्हें तय प्रक्रिया का पालन किए बिना हटा दिया गया।

अदालत ने याचिकाकर्ता प्रशासकों को पद से हटाने के आदेश को रद्द करते हुए पंचायती राज कानून की धारा 38 के तहत याचिकाकर्ताओं पर कार्रवाई की छूट दी है। अदालत ने कहा कि दो माह में याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनने के बाद मामले में कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अदालत ने आशा जताई है कि राज्य सरकार मामले में गौर करेगी। वहीं अदालत ने आदेश की कॉपी केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग और मुख्य सचिव को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश महावीर प्रसाद गौतम व 16 अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा व अन्य ने बताया कि सरपंचों का कार्यकाल पूरा होने के बाद विभाग ने चुनाव में देरी को देखते हुए गत 16 जनवरी को अधिसूचना जारी कर निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगा दिया। वहीं बाद में उन्हें बिना जांच और सुनवाई का मौका दिए प्रशासक पद से हटा दिया गया। याचिका में कहा गया कि उनकी नियुक्ति की अधिसूचना वैधानिक रूप से मान्य थी।

ऐसे में उन्हें बिना जांच हटाना अवैध है। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि उन्हें दैनिक कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रशासक लगाया गया था और जिस परिपत्र से उन्हें नियुक्त किया गया था, वह वैधानिक नहीं था। वहीं याचिकाकर्ताओं के खिलाफ जांच लंबित है। ऐसे में याचिकाओं को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रशासकों को पद से हटाने के आदेश को रद्द करते हुए अन्य दिशा-निर्देश दिए हैं।

राजस्थान में अन्य सेवाओं से 4 अधिकारी बने आई.ए.एस.

इनमें मुख्यमंत्री कार्यालय में डायरेक्टर स्टेटिस्टिक्स की सेवाएं दे रहे डॉ. नीतीश शर्मा, लेखा सेवा से अमिता शर्मा, सांख्यिकी सेवा से नरेन्द्र कुमार मंघानी तथा नरेश कुमार गोयल शामिल है।

डॉ. नीतिश शर्मा

अमिता शर्मा

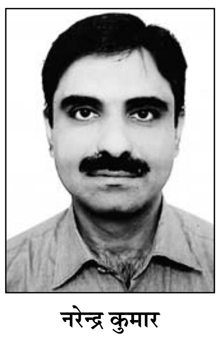

नरेन्द्र कुमार

नरेश गोयल

■ **बताया जा रहा है कि पिछले महीने दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की बैठक में इन चारों अफसरों के चयन पर अंतिम मुहर लगाई गई थी**

जयपुर (कासं)। राजस्थान में अन्य सेवाओं से चार अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) बनाया गया है। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने गैर राज्य प्रशासनिक सेवाओं के चार अफसरों को आई.ए.एस. बनाने की अधिसूचना जारी कर दी है। 18 अगस्त को जारी हुई इस अधिसूचना के अनुसार डॉ. नीतेश शर्मा, अमिता शर्मा, नरेंद्र कुमार मंघानी और नरेश कुमार गोयल को आई.ए.एस. बनाया है। डॉ. नीतेश शर्मा सांख्यिकी सेवा और अमिता शर्मा लेखा सेवा की अफसर है।

चारों अफसरों को वर्ष 2022 की वैकेंसी के तहत आई.ए.एस. बनाया गया है। पिछले महीने दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की बैठक में इन चारों अफसरों के चयन पर अंतिम मुहर लगाई गई थी। अब डी.ओ.पी.टी. ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इन अफसरों को अभी प्रोबेशन पर रखा जाएगा। इन्हें नए सिरे से पोस्टिंग दी जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. नीतीश शर्मा वर्तमान में मुख्यमंत्री कार्यालय (सी.एम.ओ.) में डायरेक्टर स्टेटिस्टिक्स के पद पर काम कर रहे है। वे इकोनॉमिक्स में एम.ए. तथा पी.एच.डी. होने के साथ-साथ एम.बी.ए. फाइनेंस भी है। मुख्यमंत्री कार्यालय से पहले डॉ. नीतीश ने चीफ सेक्रेटरी ऑफिस में डायरेक्टर प्रोग्राम मॉनिटरिंग के पद पर 6 साल काम किया है। जिसमें मुख्य सचिव के सीधे निर्देशन में कार्य करते हुए राज्य के सभी कार्यक्रमों, स्कीम्स और प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग की है। डॉ. नीतीश को 3 राज्य पुरस्कार भी राज्यपाल व मुख्यमंत्री के हाथों प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें सिविल सिर्विसेज डे पर प्राप्त अवार्ड उल्लेखनीय है।

अनूप मिश्रा मुख्यालय शाखा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

जयपुर। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के द्वितीय चरण के चुनाव में शाखा मुख्यालय के शाखा अध्यक्ष पद पर अनूप मिश्रा निर्विरोध निर्वाचित हुए। संघ के संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी ने बताया कि 18 अगस्त को मुख्यालय शाखा अध्यक्ष पद के लिए मण्डल मुख्यालय में चुनाव पर्यवेक्षक सुभाष चंद यादव, दारा सिंह, सरोज जैन द्वारा कराये गए। चुनाव में एक मात्र आवेदन प्राप्त होने पर अनूप मिश्रा को शाखा अध्यक्ष मुख्यालय पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। निर्वाचित अध्यक्ष मिश्रा को संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष दशरथ कुमार द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। महामंत्री प्रदीप शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद द्वारा नव निर्वाचित मुख्यालय अध्यक्ष अनुप मिश्रा को शुभकामनाएं दी गई। मिश्रा द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि मण्डल हित एवं कर्मचारी हित में अपना योगदान देते रहेंगे एवं समय-समय पर मण्डल हित एवं कर्मचारी हित के लिये आवाज उठाते रहेंगे।

दो करोड़ की मिट्टी खुदाई के टैंडर में 2 फर्मों की समान रेट आई, अब ठेका पाने की जुगाड़ में जुटे दोनों ठेकेदार

■ **वित्त निदेशक 2 बार इसी तरह के टैंडर ज्यादा दर आने के कारण कर चुके हैं निरस्त, अब भी करें तो होगा जे.डी.ए. को फायदा**

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के 2 करोड़ की मिट्टी खुदाई के काम में एक ही टैंडर दो समान रेटों पर खुल गया। अब समान दर डालने वाले ठेकेदार इसे पाने की जुगाड़ में जुट गए हैं। इसके लिए-अपने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे है।

सूत्रों के मुताबिक जयपुर विकास प्राधिकरण की जोन-12 में अवंतिका विहार योजना है। यहां जेडीए की योजना में बसी कालोनी में प्लाटों का लेवल करने के लिए लगभग 2 करोड़ का टैंडर निकाला गया था। बताया जा रहा है कि जयपुर विकास प्राधिकरण जल्द ही खुली नीलामी के जरिए इन स्कीम में जमीनें बेचेगा। ऐसे में यहां जमीनों के समतलीकरण के लिए भी एक फर्म को केदार विहार में काम दिया हुआ है, जिसे सरकारी जमीन की ऊंची और उबड़-खाबड़ जमीन को समतल करने तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों से मिट्टी खोदकर खड्डे अथवा निचले क्षेत्रों में जेडीए के प्लॉट्स में डालनी है।

बताया जा रहा है कि इस काम को लेने के लिए पांच ठेकेदारों ने टैंडर भरा था। ऐसे में करीब 35 फीसदी कम रेट ठेके में सामने आयी। परंतु दो फर्मों ने एक समान रेट भरी, जिसमें निशिता एंटरप्राइजेज 35.99 और आर्यन कंस्ट्रक्शन की रेट 35.99 आई है। अब ये दोनों फर्मे टैंडर लेने की जुगाड़ में जुटी हुई है। इन्होंने पहले ही निर्धारित दर से कम रेट पर बिड डाली है। अब दोनों फर्मे इससे भी कम रेट पर नेगोशिएशन को तैयार है। इसका कारण यहां बड़ी मात्रा में मिट्टी के टीले होना है। ये दोनों ठेकेदार किसी भी स्तर पर ये ठेका लेना चाहते है। सूत्रों का कहना है कि वित्त निदेशक 2 बार इसी तरह के टैंडर ज्यादा दर आने के कारण कर निरस्त चुके हैं। ऐसे में अब भी यहां ठेका निरस्त किया जायेगा तो जेडीए को राजस्व का फायदा होना तय है। इसके पीछे सीधा सा कारण यह है कि इस टैंडर में शामिल होने वाली तमाम फर्मों की रेट खुल चुकी है, ऐसे में अगर दुबारा टैंडर किए जाते हैं तो संभावना है कि दरें और भी कम प्राप्त हो, जिससे जेडीए को राजस्व का फायदा होगा।

गौरलब है कि जोन-12 स्थित केदार विहार और अवंतिका विहार में इन दिनों मिट्टी के अवैध खनन और रेत माफिया द्वारा मिट्टी के डंपर भरकर बाहर ले जाने का मामला भी सामने आया है।

मुरलीपुरा में स्कॉर्पियो कार से मजदूर को कुचलने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा इलाके में कार से एक मजदूर को कुचलने वाले चालक और अन्य के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम आरोपितों की तलाश में सीकर के श्रीमाधोपुर, नागौर और दिल्ली में दबिश दे रही है। हालांकि पुलिस टीम ने स्कॉर्पियो कार को जब्त कर कार चलाने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि कार से एक मजदूर को कुचलने वाले चालक और अन्य के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है। साथ ही कार चलाने वाले आरोपित कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया हैं। वहीं मारपीट करने वाले सुभाष और एक अन्य व्यक्ति की तलाश पुलिस टीमें कर रही हैं। इस घटना के बाद आरोपित कार लेकर जयपुर से बाहर निकल गए थे। पुलिस की तीन टीम जगह-जगह आरोपित युवकों की तलाश में दबिश दे रही है।

बालोतरा के डोली गांव में जोजरी नदी बचाओ रैली निकाली

रैली में पहुंचे सांसद हनुमान बेनीवाल, कलेक्ट्रेट के आगे धरने पर बैठे

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के डोली गांव में आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में जोजरी नदी बचाओ रैली निकाली गई। रात को तीन बजे डोली से हनुमान बेनीवाल ने अपने समर्थकों के साथ बालोतरा कलेक्ट्रेट पर कूच किया। कलेक्ट्रेट के आगे धरने पर बैठ गए। थोड़ी देर बाद कलेक्टर और एसपी ने धरना स्थल पर आकर उनका मांग पत्र लिया। प्रशासन व सरकार स्तर पर जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। सुबह साढ़े तीन बजे बेनीवाल ने धरना समाप्त किया।

जानकारी के अनुसार डोली-अराबा-कल्याणपुर समेत आसपास के गांवों में प्रदूषित पानी के स्थाई समाधान करने व वैकल्पिक तौर पर समाधान की मांग को लेकर आरएलपी सुप्रीमो अपने समर्थकों और ग्रामीणों के साथ धरना दिया। रात दस बजे तक अलग-अलग दौर में हुई वार्ता के बाद मांगों पर सहमति नहीं बन पाई। रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल धरनास्थल पर ही बैठे रहे। सांसद हनुमान बेनीवाल ने प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन से वार्ता के लिए भेजा। कई दौर की वार्ता हुई। इस दौरान सांसद ने कहा कि वार्ता के बाद तय करेंगे कि हमारा कूच बालोतरा कलेक्ट्रेट होगा या फिर जोधपुर कमिश्नरेट। रविवार देर रात करीब 1.30 बजे हनुमान बेनीवाल सैकड़ों समर्थकों के साथ डोली से बालोतरा जिला मुख्यालय के लिए रवाना हुए।

ुबह दो बजे कलेक्ट्रेट पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और घेराव किया। माहौल देर रात भी आक्रोश और विरोध से गूंजता रहा। सूचना मिलते ही कलेक्टर सुशील कुमार यादव और एसपी रमेश कुमार मौके पर पहुंचे। करीब आधे घंटे चली वार्ता के दौरान रालोपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। वार्ता के बाद सहमति बनी कि फिलहाल गंदे पानी की आवक तुरंत रोकी जाएगी, नए पानी की सप्लाई बंद होगी और स्थायी समाधान के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर निस्तारण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही बेनीवाल ने अनिश्चितकालीन धरना समाप्त करने की घोषणा की।

कलेक्टर और एसपी ने धरना स्थल पर पहुंचकर हनुमान बेनीवाल का धरना समाप्त कराया।

- **कलेक्टर और एसपी ने धरना स्थल पर आकर मांग पत्र लिया, प्रशासन व सरकार स्तर पर जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया, इसके बाद हनुमान बेनीवाल ने धरना समाप्त किया**

जोधपुर जिले की फैक्ट्रियों का दूषित पानी विगत 16 सालों से जोजरी के रास्ते बालोतरा जिला के डोली कलां, डोली राजगुरां, साहिबनगर, डोली खुर्द, अराबा दुदावतां, अराबा चैहान, अराबा पुरोहितान, निम्बाखेड़ा, अराबा नागणेचा, कल्याणपुर, सीतली, धतरवालों की ढाणी गांवों व खेतों में प्रवाहित हो रहे दूषित पानी से जनजीवन व पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर क्षति पहुंचा रहा है। दूषित पानी धवा, डोली, अराबा, कल्याणपुर क्षेत्र के गांवों में आ रहा है। इस रसायनिक दूषित पानी की पूर्ण रोकथाम की व्यवस्था निर्धारित समय में की जाए। जोजरी नदी में दूषित रसायनिक पानी को छोड़ने वाली समस्त औद्योगिक ईकाईयों पर बीएनएस की धारा 279 व अन्य धाराओं में कार्रवाई की जाए समेत विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

अवैध खनन पर कार्रवाई, चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

बौंली-बामनवास, (निसं)। बौंली पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के

- **एक आरोपी को गिरफ्तार किया, अन्य फरार हो गये**
- **वहीं अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया**

निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन, परिवहन एवं अवैध देशी शराब के खिलाफ बौंली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है एवं अवैध देशी शराब के 56 पव्वों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र

बौंली पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त करने की कार्रवाई की।

चौधरी ने बताया कि थाना प्रभारी राधा रमन गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल उप निरीक्षक राजेंद्र गिरी, सहायक उप निरीक्षक मुरारीलाल एवं हैड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह की अलग-अलग गठित टीमों ने कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी खनन व परिवहन कर रही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को ग्राम जटावती, हरषोता व जलालपुरा से चार ट्रैक्टर-ट्रालियों को अवैध बजरी के साथ जब्त कर बौंली थाने में खड़ा करवाया। कार्रवाई के दौरान चालक आरोपी लेखराज गुर्जर निवासी पीपलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। अन्य चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। वहीं बौंली पुलिस ने गश्त के दौरान ग्राम कोडियाई से आरोपी सरोज कुमार मीणा निवासी पीलूखेड़ा खुर्द थाना मित्रपुरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी शराब जब्त कर आबकारी एक्ट में मामला दर्ज किया है।

चूड़ा कारोबारी ने दुकान में फांसी लगाई, मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के एक चूड़ा कारोबारी ने संदिग्ध परस्थितियों में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना सदर बाजार स्थित उनकी दुकान में हुई। घटना का पता तब चला जब उनका बेटा दुकान पर पहुंचा। शव को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। कोतवाली पुलिस ने मृतक के बेटे की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मामले की जांच हैड कांस्टेबल महावीर प्रसाद को सौंपी गई है।

कोतवाली के ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल कृष्णलाल भारी ने बताया कि चेताली एन्कलेव निवासी 63 वर्षीय रणवीर मिढ़ा का सदर बाजार में राधे राधे जनरल स्टोर के नाम से

- **चर्चा है कि व्यापारी की ओर से एक सुसाइड नोट भी लिखा गया है**

चूड़ा का कारोबार है। उनके बेटे नीरज मिढ़ा ने परिवाद देकर मर्ग दर्ज करवाई है। बेटे के अनुसार उनके पिता हमेशा की तरह सुबह करीब नौ बजे घर से दुकान के लिए रवाना हुए थे। दोपहर 12 बजे तक उनको फोन किए तो रिप्लाई नहीं आया। इस पर वह दुकान पहुंचा। दुकान की प्रथम मंजिल में पंखे पर फंदा लगाकर पिता लटकते दिखाई दिए। इस पर उनको फंदे से उतारकर जिला अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। इस बीच चर्चाओं में आया कि व्यापारी रणवीर मिढ़ा की ओर से एक सुसाइड नोट भी लिखा गया है। लेकिन इस संबंध में कोतवाल पृथ्वीपाल भाटी ने कहा कि उनके पास परिवार की ओर से ऐसी कोई जानकारी न तो लिखित में दी है न ही सुसाइड नोट सौंपा है।

दूसरी ओर ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल कृष्णलाल भारी ने भी बताया कि उनके सामने परिजनों की ओर से ऐसा कोई तथ्य नहीं लाया गया। बेटे ने मर्ग दर्ज करने को परिवाद दिया था। मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम करवा दिया तलाशी में हमें शव से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और न ही परिवार की ओर से सौंपा गया है।

सेब से भरे कार्टनों का गबन करने वाला चालक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। ट्रक मालिक ने सेबों से भरे कार्टनों का गबन कर ट्रक को पलटा बताकर व्यापारी को कॉल कर बताया कि ट्रक के पलटने के बाद ग्रामीण सारा गेहूं लूटकर ले गए हैं। इसके बाद व्यापारी ने भाबरु थाना पुलिस थाने पहुंच शिकायत की।

भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि राहुल पुत्र राधेमोहन निवासी सुविधा कुंज प्रीतमपुरा थाना मंगोलपुरी जिला नॉर्थ दिल्ली ने भाबरु थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया था कि 13 अगस्त को 713 सेबों से भरे कार्टूनों का ट्रक पराला

- **सेब से भरे 523 कार्टन बरामद कर ट्रक भी जब्त किया**

मंडी हिमाचल प्रदेश से बैंगलोर के लिए रवाना किया था। जिसके बाद 16 अगस्त को ट्रक मालिक तौफीक ने फोन कर बताया कि ट्रक पलट गया है व सेब के कार्टूनों को आसपास के लोग उठ कर ले गए।

सूचना के बाद मौके पर सर्वेयर को भेजा गया, जहां ट्रक में सेब के 180-190 कार्टून ही होना पाया गया। बाकी का माल नहीं मिला ज्यों कि ट्रक मालिक द्वारा खुर्द बुर्द कर दिया गया। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। इस पर भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी का पीछा करते हुए मुलजिम तौफीक खान पुत्र अजीम खान निवासी मिर्जापुर थाना किशनगढ़ को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी चालक द्वारा गबन किए हुए 523 कार्टून सेबों से भरे हुए तथा घटना में प्रयुक्त वाहन टक जप्त किया गया। जप्तशुदा सेब के कार्टून तथा ट्रक की बाजार की कीमत 60 लाख रुपए है।

राज्य सरकार की मदद से छोगालाल का खेत हुआ समृद्ध

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार के नेतृत्व में राज्य सरकार के अंतिम छोर पर खड़े असहाय व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़कर उनकी प्रगति एवं विकास का लक्ष्य अब धरातल पर साकार होते हुए नजर आ रहा है। जिले की शाहपुरा तहसील के मालखेड़ा निवासी छोगालाल कुमावत ने अपने संघर्षों के मध्य राज्य सरकार के माध्यम से प्राप्त सहायता के जरिए लाभान्वित होने की अपनी सफलता की कहानी को स्वयं साझा किया है।

छोगालाल ने बताया कि उनके खेत पर सिंचाई का कोई स्त्रोत नहीं होने व सिचाई की व्यवस्था नहीं होने से उपजाऊ खेत होने के बाद भी वे रबी फसल में कोई उत्पादन नहीं होने से उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा था। जिले में कृषि विभाग में पदस्थापित कृषि पर्यवेक्षक कृष्ण कुमार मीणा के सम्पर्क में आने पर उन्हें खेत पर खेत तलाई का निर्माण कर वर्षा जल संग्रहण का सुझाव दिया गया। खेत तलाई अनुदान आवेदन की सलाह मिलने के पश्चात छोगालाल द्वारा खेत तलाई आवेदन पश्चात पूर्व सत्यापन व प्रशासनिक स्वीकृति जारी हुई जिसके बाद उन्होंने खेत पर खेत तलाई का निर्माण कराया, जिसके लिए कृषि विभाग द्वारा उन्हें 63 हजार रू. का अनुदान भी प्रदान किया गया। इस वर्ष वर्षा से उनके खेत पर खेत तलाई पूर्ण रूप से भर चुकी है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत 15 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने विराटनगर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। जिस पर विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पोक्सो एक्ट में अभियुक्त मुकेश उर्फ ग्यारसीलाल उर्फ गोरख्या पुत्र मानाराम बावरिया की गहनता से तलाश की जाकर गिरफ्तार किया गया। वहीं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि 13 अगस्त को

- **13 अगस्त को एक परिवादी ने मामला दर्ज करवाया था**

एक परिवादी ने मामला दर्ज करवाया था कि अभियुक्त मुकेश उर्फ ग्यारसीलाल उर्फ गोरख्या व उसकी पुत्री पहाड़ी पर बकरियां चराने जाते हैं। 13 अगस्त को अभियुक्त मुकेश उर्फ ग्यारसीलाल उर्फ गोरख्या ने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया व पहले भी 5-7 बार दुष्कर्म कर चुका है। जिस पर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

अस्पताल के दरवाजे पर हुई बुजुर्ग की मौत

अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं होने पर पत्नी ने बेबसी जताई

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। यह बुजुर्ग बीते एक महीने से अस्पताल परिसर में ही अपनी पत्नी के साथ लावारिस के तौर पर रह रहा था। मौत के बाद पत्नी का कहना है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार कैसे करवाए, क्योंकि उसके पास पैसे भी नहीं है और न हीं वह लोगों को जानती है। इसके साथ ही उसने अपने बेटे पर भी घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया है। इसके बाद जनसहयोग के जरिए अंतिम संस्कार करवाने की तैयारी शुरू की गई।

मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की चौकी के कॉन्स्टेबल राजकुमार स्वामी का कहना है कि बारां जिले के नारेडा निवासी गोपाल यादव और उसकी पत्नी लीलाबाई बीते एक महीने से अस्पताल परिसर में ही लावारिस की तरह रह रहे थे। जैसे-तैसे ही भोजन का जुगाड़ करके यहां पर दिन निकाल रहे थे। गोपाल यादव

- **यह बुजुर्ग बीते एक महीने से अस्पताल परिसर में ही अपनी पत्नी के साथ लावारिस के तौर पर रह रहा था**

को टीबी था ऐसे में उसे अस्पताल में कई बार भर्ती भी करवाया गया। अस्पताल में उपचार के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया जाता था। इसके बाद भी वे अस्पताल परिसर को नहीं छोड़ रहे थे। उन्हें अस्पताल परिसर से जाने के लिए भी कहा गया था और आर्थिक मदद की बात भी कही गई थी लेकिन बाद में वह नहीं गए। आज अस्पताल में गेट नंबर चार इमरजेंसी के बाहर गोपाल यादव की मौत हो गई। इसके बाद उसकी पत्नी लीलाबाई ने आकर कहा कि बेटे ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया था और अब उसके पास अंतिम संस्कार का पैसा भी नहीं है।

बड़ी मां के सामने बच्ची को बोलेरो कैंपर ने कुचला

बीकानेर, (निसं)। यहां तेज रफ्तार बोलेरो कैंपर ने बड़ी मां के सामने सात साल की बच्ची को रौंद दिया। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। बड़ी मां ने बच्ची के शव के बिखरे चीथड़े देखे तो बेसुध हो गई। बस में मौजूद लोगों ने उसे संभाला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली और बच्ची के शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया। हादसे के बाद ड्राइवर बोलेरो कैंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बोलेरो कैंपर की तलाश में जुटी है। मामला खाजूवाला थाना इलाके का है।

एसएचओ सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि खाजूवाला इलाके के 17 केएचएम गांव निवासी मनीषा (7) अपनी बड़ी मां राजू देवी (40) पत्नी मालाराम भील के साथ प्राइवेट बस में खाजूवाला से अपने गांव जा रही थी। राजू देवी मनीषा

- **बच्ची के शव के चीथड़े देख बेसुध हो गई महिला, मौके पर मोजूद लोगों ने महिला को संभाला**

का हाथ पकड़कर बस के गेट पर खड़ी थी। उन्होंने बताया कि 18 केजेडी नहर चौराहे पर अचानक बस बेकाबू हो गई और मनीषा का हाथ बड़ी मां राजू देवी से छूट गया और वह बस से नीचे सड़क गिर गई। इस दौरान तेज रफ्तार बोलेरो कैंपर ने उसे रौंद डाला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बोलेरो के रौंदने से मासूम के शव के चीथड़े बिखर गए।

एसएचओ ने बताया कि हादसे के बाद बोलेरो कैंपर का ड्राइवर गाड़ी भगा ले गया। पुलिस की टीम आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी भी करवाई है।

नशीली टेबलेट के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

सूरतगढ़, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान सोमवार को मेडिकेटेड नशा तस्कर को 160 नशीली टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया है।

थाना के उप निरीक्षक ओमप्रकाश मान ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अमृता दुहन के निर्देश पर जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस की ओर से 'ऑपरेशन सीमा संकल्प' अभियान चलाया जा रहा है। इसी को लेकर वे जब थाना स्टाफ के कॉन्स्टेबल हनुमान राम, कुंभाराम, कनीराम, रणजीत सिंह, दिनेश कुमार आदि के साथ गश्त करते हुए सिद्धू वाला से सरदारपुरा बीका गांव की ओर जाने वाली सड़क आम पर पहुंचे तो वहां पुलिस के वाहन को देख एक युवक ने भागने की कोशिश की। संदेह होने पर युवक को जाब्ते की मदद से काबू कर भागने का कारण जाना तो वह घबरा गया। युवक की तलाशी ली तो 160 नशीली टेबलेट ट्रामाडोल बरामद की।

लूणी क्षेत्र में लकड़बग्गों ने दस लोगों को घायल किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती लूणी तहसील के गांवों में पिछले तीन दिन से लकड़बग्गों ने आतंक मचा रखा है। लकड़बग्गों ने अब तक करीब दस लोगों पर हमला कर घायल कर दिया है।

पुलिस और वन विभाग की टीमें लकड़बग्गों के पीछे लगी हुई है। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने दो लकड़बग्गों को मार दिया। तीन-चार और भी आसपास के गांवों में बताए जाते हैं। इनसे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में दहशत बनी हुई है। आज सुबह भी एक व्यक्ति पर लकड़बग्गे ने हमला किया था। वह जख्मी हो गया। ग्रामीण की तरफ से वीडियो बनाकर डाला गया। पहले इनको लेकर ग्रामीणों द्वारा कयास लगाया जा रहा था कि वह अज्ञात जानवर है, मगर धीरे-धीरे स्थिति स्पष्ट होने पर उसका लकड़बग्गे अथवा भेड़िए के होना पता लगा है।

वन्य जीव बचाव दल उड़नदस्ता के अधिकारी गणपत सिंह फॉरेस्टर के

- **पुलिस और वन विभाग की टीमें लकड़बग्गों को पकड़ने के पीछे लगी हुई है**
- **सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने दो लकड़बग्गों को मार दिया**

अनुसार शिकारपुरा में मृत अवस्था में पाया जानवर भेड़िया अथवा लकड़बग्गा है।

इसके अलावा रविवार रात को काकाणी में मृत अवस्था में भेड़िया मिला था, दोनों को जोधपुर रेस्क्यू सेंटर ले जाया गया है। आज सुबह लूणी नदी क्षेत्र में तीसरा भेड़िया दिखाई दिया है, जिसको सर्च किया जा रहा है। पांच-छह लकड़बग्गा अथवा भेड़िए हो सकते हैं।

हिजाब पहनने को लेकर टोंक के जनाना अस्पताल में डॉक्टर व इंटर्नशिप छात्रा में बहस

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र (जनाना अस्पताल) टोंक में महिला डॉक्टर और इंटर्नशिप कर रही छात्रा में हिजाब को लेकर बहस हो गई, जिसके अन्तर्गत महिला डॉक्टर ने छात्रा को ड्यूटी के दौरान हिजाब नहीं पहनने के लिए कहा तो छात्रा ने धार्मिक आस्था का विषय बताकर हिजाब में ही ड्यूटी करने की बात कही।

मामला शनिवार का है, जिसका रविवार को वीडियो वायरल होने पर मामले का खुलासा हुआ है, जिसमें डॉक्टर कह रही है कि इंजेक्शन लगाने वाले का चेहरा मरीज को दिखना चाहिए, आपको चेहरा दिखाने में दिक्कत है तो काम नहीं करना चाहिए। घटना पर कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जताते हुए अस्पताल पहुंचकर एमसीएच प्रभारी डॉक्टर विनोद परवेरिया से महिला डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की मांग की। जिस पर डॉ. परवेरिया ने नियमानुसार जांच और उचित कार्यवही का आश्वासन दिया।

इस पर डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि मरीज को किसने इंजेक्शन लगाया, इसकी जानकारी मरीज को होनी चाहिए,

भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

रिएक्शन हो गया तो कैसे पता चलेगा कि किसने इंजेक्शन लगाया। हिजाब अस्पताल में नहीं पहना जा सकता है, ऐसा बिल्कुल नहीं चलेगा। चेहरा हर समय साफ दिखना चाहिए, इसे मजहब से न जोड़े।

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में डॉक्टर बिन्दु गुप्ता के सर्मथन में उतकर भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में जनाना अस्पताल में यूनानी इन्टर्न डाक्टर द्वारा लैबर रूम के अंदर वीडियो बनाकर, बिना पहचान के इलाज करने की जिद करने, डाक्टर्स के लिए निर्धारित वेशभूषा, पहचान हेतु नाम पट्टी नहीं लगाने, किसी महिला की गरिमा के खिलाफ वीडियो बनाने, साम्प्रदायिक शान्ति बिगाड़ने एवं उस वीडियो को वायरल करने के आवश्यक विभागीय व कानूनी कार्रवाई की आज भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मांग की।

- **महिला डॉक्टर ने छात्रा को ड्यूटी के दौरान हिजाब नहीं पहनने के लिए कहा तो छात्रा ने धार्मिक आस्था का विषय बताकर हिजाब में ही ड्यूटी करने की बात कही**
- **मामला शनिवार का है, जिसका रविवार को वीडियो वायरल होने पर मामले का खुलासा हुआ**

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि टोंक शहर में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ कर धर्म के नाम पर अस्पताल में अव्यवस्था फेलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संबंध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को अवगत कराया है।

महिला की संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आया

चिड़ावा, (निसं)। करीब एक महीने पहले पिलानी स्थित एक बैंक की असिस्टेंट मैनेजर संगीता की मौत में अब नया मोड़ आ गया है। इस मामले में मृतका असिस्टेंट मैनेजर की मां ने संगीता के पति और जलदायकर्मी मनोज बराला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि पैसों और संपत्ति की लालच में मनोज बराला ने उसकी बेटी की हत्या कर दी। इससे पहले भी कई बार वह उससे मारपीट कर चुका था। मनोज बराला और उसकी मां-बहनों की प्रताड़ना से उसकी बेटी संगीता प्रताड़ित थी। यही कारण था कि मनोज बराला को तो उसके परिवार ने संपत्ति से बेदखल कर रखा था। दर्ज करवाई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि पिचानवां निवासी मनोज के साथ सगीता की शादी 30 नवंबर 2018 को हुई थी। शादी के बाद से ही मनोज की मां और चार बहनें लगातार संगीता को प्रताड़ित कर रही थी। कई बार संगीता घर छोड़कर अपनी मां के पास भी आ गई। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि मनोज बराला उसकी बेटी के सैलेरी, प्रोपर्टी और गोल्ड पर एक करोड़ रूपए का लोन लेने के दबाव बना रहा था। क्योंकि मनोज बराला को सटोरियों को भुगतान करना था। लोन लेकर पैसे ना देने पर जान से मारने की धमकी भी देता था। 23 अप्रेल को भी लगातार मनोज के दबाव के कारण उसकी बेटी संगीता ने एक प्लॉट अपने पैसों का लेकर मनोज के नाम करवाया था।

एफआईआर में मां ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी ने बताया था कि मनोज अकसर गूगल पर ऐसी चीज या दवा को भी सर्च करता था, जिससे किसी की जान चली जाए और पता भी नहीं चल सके। संगीता ने उसे जब ऐसी चीजें सर्च करने के लिए पूछा तो मनोज बहाना बना देता था। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को भी मनोज ने उसकी बेटी संगीता को ऐसी ही कोई चीज या दवा खिलाकर उसकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार 25 जुलाई को मृतका संगीता को पिलानी बैंक में ड्यूटी उसका पति मनोज छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान अचानक तबियत बिगड़ जाने के कारण संगीता की मौत हो गई थी। उस दिन भी दाह संस्कार को लेकर ससुराल-पीहर पक्ष में काफी जद्दोजहद हुई थी। इसके बाद संगीता का दाह संस्कार पीहर चिड़ावा में ही किया गया था। संगीता एक निजी बैंक में असिस्टेंट मैनेजर थी, जो पहले चिड़ावा थी। इसके बाद उसका तबादला पिलानी हो गया था।

किसानों का सिंचाई के पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन

अनूपगढ़, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में सोमवार को अनूपगढ़ में किसानों ने एडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना में सिंचाई पानी की मांग को लेकर एडीएम अशोक सांगवा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

- **किसानों ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन**

किसान नेता सुनील गोदारा ने बताया कि पोंग डैम के केचमेंट एरिया में लगातार बारिश हो रही है। सरकार लाखों क्यूसेक पानी पाकिस्तान भेज रही है। राजस्थान कैनाल में 13 हजार क्यूसेक पानी होने के बावजूद तीन में से केवल एक समूह में नहरें चल रही हैं। अनूपगढ़ क्षेत्र में अत्यधिक तापमान और बारिश न होने से फसलें झुलस रही हैं। किसानों ने आईजीएनपी में चार में से दो समूह में सिंचाई पानी की मांग की है। साथ ही गंगनहर में शेयर के मुताबिक पूरा पानी देने की मांग रखी है। किसान नेता राजू जाट ने कहा कि पोंग डैम को 1410 फीट तक भरा जाए। उन्होंने मांग की कि लिंक चैनल के बजाय गंग कैनाल से क्षेत्र के किसानों को पानी दिया जाए।

अगर हमारे फिजियो किसी खिलाड़ी को काम के बोझ के प्रबंधन के लिए कह रहे हैं तो मुझे लगता है कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझते हैं। - चेतन शर्मा

पूर्व भारतीय गेंदबजा, जसप्रीत बुमराह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी सानिया चंडोक

मुंबई की हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में नाम सानिया चंडोक इन दिनों खासी चर्चा में है। दरअसल, सानिया भारतीय क्रिकेट के महान दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर हैं। बल्कि इसलिए भी कि वह एक ऐसे कारोबारी घराने से आती हैं जिसकी पहचान भारत के हॉस्पिटैलिटी और फूड इंडस्ट्री में दशकों से स्थापित है। सानिया का परिवार बैकग्राउंड, शिक्षा और खुद के बिजनेस वेंचर उन्हें एक अलग पहचान दिलाते हैं। सानिया चंडोक मुबई के मशहूर घई परिवार से है। उनके नाना रवि इकबाल घई ठाविस हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के चेयरमैन हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में आठ खिताबों (सात वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय) के साथ भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। श्रीलंका छह खिताबों के साथ दूसरी सबसे सफल टीम है।

आज हो सकता है एशिया कप और महिला विश्वकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

मुम्बई 18 अगस्त। अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। इसके अलावा नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला विश्वकप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम चुनेगी।

चयनकर्ता एशिया कप के लिए टीम चुनने के लिए मंगलवार को मुंबई में बैठक करेंगे।ऐसा माना जा रहा और टीम का चयन पारंपरिक ज्ञान और आम उम्मीदों से हटकर हो सकता हैं। ऐसे में इंग्लैंड दौरे में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

चयनकर्ताओं से अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा जोड़ी को ही चुनने की उम्मीद है। तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए हमेशा जगह होती है, और गिल का नाम चर्चा होनी तय है, लेकिन यशस्वी जायसवाल इस भूमिका के लिए मजबूत दावेदार हैं।

टीम में अन्य बल्लेबाजों में तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह शामिल हो सकते हैं, एक और बल्लेबाजी स्थान पर अभी फैसला होना बाकी है। शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। जितेश शर्मा के दूसरे विकेटकीपर की जगह लेने की उम्मीद है। एंडरसन-तेंदुलकर श्रृंखला में अपने जोशीले प्रदर्शन से सबसे अधिक विकेट लेने वाले और वर्तमान में देश के चहेते सिराज को जगह पाने में संघर्ष करना पड़ सकता है, क्योंकि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आक्रमण की अगुवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

शुभमन गिल को नहीं मिलेगा एशिया कप के लिए मौका?

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार, 19 अगस्त को होगा। भारतीय टीम में 17 खिलाड़ियो को मौका मिल सकता है। अगर 15 खिलाड़ियों का चयन हुआ तो चयनकर्ताओं को काफी माथापच्ची करनी होगी। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा और विराट

कोहली ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। वहीं एशिया कप के लिए भारतीय टीम लगभग तय है। केवल 2 स्पॉट के लिए 5 से 6 खिलाडियों के बीच टक्कर है। वहीं शुभमन गिल की वापसी की संभावना नहीं है। श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल की वापसी हो सकती है। इसके अलावा रिंकू सिंह की जगह खतरे में है। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा का टीम में बने रहना लगभग तय है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम में 1 स्पॉट के लिए वाशिंगटन सुंदर और श्रेयस अय्यर में लड़ाई है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को ये तय करना है कि ऑलराउंडर को मौका दिया जाए या विशेषज्ञ बल्लेबाज को। इसी आधार पर सुंदर और श्रेयस में से एक का चयन होगा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन गिल की जगह सेलेक्शन कमेटी अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी को ओपनिंग के लिए उतार सकती है। जबकि यशस्वी जायसवाल ओपनिंग के लिए तीसरे विकल्प होंगे। हालांकि, गिल को तभी मौका मिल सकता है अगर कोच गौतम गंभीर उन्हें चुनने के लिए अड़े रहे और अगर ऐसा हुआ तो जायसवाल की छुट्टी पक्की होगी।

अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा में से एक (या दोनों) के लिए जगह मिलने की उम्मीद है। हार्दिक पांड्या, जिन्होंने टी20 विश्व कप में महत्वपूर्ण आखिरी ओवर फेंका था, टीम में दूसरे तेज गेंदबाज होंगे। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और उप-कप्तान अक्षर पटेल, स्पिनर होंगे और वाशिंगटन सुंदर संभावित खिलाड़ी हो सकते है।

महिला विश्वकप के लिए भी कल टीम की घोषणा हो सकती है। अगर हालिया प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम पर नजर डालें तो शीर्ष छह में से चार बल्लेबाजो की जगह बिल्कुल पक्की है। इस सूची में स्मृति मांधना, हरमनप्रीत कौर, जेमिमाह रॉड्रिग्स और ऋचा घोष का नाम शामिल है। पिछले कुछ सीरीज से प्रतिका रावल ने मांधना के साथ भारतीय टीम को काफी अच्छी शुरुआत दिलाई है। उन्होंने 14 पारियों में 703 रन बनाए हैं और औसत 54.07 का रहा है। यह रन उन्होंने 88 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। इसी तरह पिछले साल चोट से वापसी करने के बाद हरलीन देओल ने भी अपने खेल में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहले वनडे शतक भी लगाया था।

यास्तिका भाटिया की स्थान की बात करें तो ऋचा घोष के बाद वह भारत की दूसरी विकेटकीपर विकल्प हो सकती हैं। यास्तिका की बल्लेबाजी क्षमता के कारण उनका चयन और भी आसान बन जाता है। यही वजह है कि भारतीय चयन समिति के लिए शेफाली को टीम में सेट करना थोड़ा मुश्किल है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को कई बार साबित किया है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन भी अच्छा था।

अमनजोत कौर भारतीय टीम के लिए अच्छी ऑलराउंडर के रूप में उभरी हैं। इंग्लैंड में जब भारतीय टीम ने टी-20 सीरीज जीती तो अमनजोत को इस्तेमाल दूसरे सीम गेंदबाज के रूप में किया गया। उस सीरीज में उन्होंने 13 ओवर में तीन विकेट लिए और साथ ही नाबाद 63 रनों की शानदार मैच जिताने वाली पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता का भी प्रदर्शन किया। अगर अमनजोत को जगह मिलती है, तो संभव है कि भारत को तीसरे स्पेशलिस्ट सीमर की जरूरत न पड़े। उस स्थिति में, अरुंधति रेड्डी जैसी खिलाड़ी का चयन शायद न हो। उनके बजाय चयनकर्ता शेफाली या एक रिस्ट स्पिनर को टीम में शामिल करने के बारे में सोच सकता है।

अगर विशेषज्ञ स्पिनरों की बात की जाए तो श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज़ में शानदार वापसी करने वाली स्नेह राणा और एन श्री चरणी का नाम शामिल है। इनके साथ दीप्ति शर्मा और राधा यादव भी हैं। वहीं श्रेयंका पाटिल और मिन्नू मणि ऐसे ऑफस्पिन ऑलराउंडर हैं जिन पर चर्चा की जा सकती है।

चोटिल इशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम

नई दिल्ली 18 अगस्त। ईस्ट जोन के कप्तान इशान किशन चोट की वजह से दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर हो गए हैं। उनक जगह टीम में ओडिशा के विकेटकीपर आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशन ई-बाइक चलाते हुए चोटिल हो गए थे। इस कारण उनके हाथ में टांके लगाने पड़े। हालांकि किशन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। उम्मीद है कि किशन अगले महीने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले दो चार-दिवसीय मैचों से पहले पूरी तरह ठीक हो जाएंगे। सितंबर में ऑस्ट्रेलिया ए को भारत दौरे पर आना है जहां उनका सामना भारत ए से होगा। फिलहाल किशन बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में मौजूद हैं जहां वह चोट से उबर रहे हैं और उनकी फिटनेस पर ध्यान दिया जा रहा है। किशन के अलावा ईस्ट जोन के लिए पहले मुकाबले में काश दीप भी उपलब्ध नहीं हो पाएंगे, उन्हें भी आराम की सलाह दी गई है। आकाश को कैसी चोट है, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इशान की जगह ईस्ट जोन का कप्तान अभिमन्यु ईश्वरण को बनाया गया है। अब आकाश की जगह असम के मुख्तार हुसैन लेंगे। आकाश हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर गए थे, जहां वह मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट से निगल की वजह से बाहर हो गए थे। हालांकि पांचवें टेस्ट के लिए द ओवल में उन्होंने वापसी की थी जहां उन्होंने बतौर नाइट वॉचमैन दूसरी पारी में करियर का पहला अर्धशतक भी लगाया था। ईस्ट जोन अपने अभियान का आगाज शुभमन गिल की कप्तानी वाली नॉर्थ जोन के खिलाफ 28 अगस्त से करेगा। सभी मुकाबले बेंगलुरु के पास स्थित सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में खेले जाएंगे। ईस्ट जोन का उप-कप्तान भारत और असम के ऑलराउंडर रियान पराग को बनाया गया है। इस दल में दो और भारतीय अंतरराष्ट्रीय सितारे मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार है। शमी की वापसी पर सभी की निगाहें रहेंगे क्योंकि पिछले दो साल में शमी ने केवल एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है। ईस्ट जोन टीम इस प्रकार है:- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेटकीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, देनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जयसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

कपिल ने दिलाया पहला स्वर्ण, पुरुष टीम वर्ग में मिले दो रजत

शायमकेंट (कजाकिस्तान) 18 अगस्त। भारत के पिस्टल निशानेबाज कपिल बैंसला ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में सोमवार को भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। वहीं टीम स्पर्धा में कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर ने रजत पदक भी जीता। इसके अलावा अनमोल जैन, सौरभ चौधरी और आदित्य मालरा ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।

बैंसला ने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 सेकंड पीछे छोड़ दिया। कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए।

इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी, जो 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 कम अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे और इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

सरफराज खान ने बल्ले से मचाया तूफान, सेंचुरी ठोक कर एशिया कप से पहले सिलेक्टर्स की बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली, 18 अगस्त। सरफराज खान ने सोमवार को बुची बाबू ट्रॉफी में मुंबई के लिए बेहतरीन शतक जड़ा है। उन्होंने अपनी इस सेंचुरी के दम पर सिलेक्टर्स को परेशानी में डालने का काम किया है। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं चुने गए जिसके बाद दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टीएनसीए इलेवन के खिलाफ 92 गेंदों में शतक जड़ दिया।सरफराज खान समय बल्लेबाजी करने उतरे उस दौरान मुंबई 98 रन पर 3 विकेट खो चुकी थी। इसके बाद सरफराज ने पारी को संभाला। सरफराज खान 138 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। सरफराज का ये शतक एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के ऐलान से एक दिन पहले आया है। 19 अगस्त को एशिया कपके लिए भारतीय टीम का ऐलान होना है। वहीं हाल ही में सरफराज खान ने करीब 15 किलो वजन घटाया था और वह चर्चा में आ गए थे।

सैंटोस की करारी हार से टूटे स्टार फुटबॉलर नेमार, बीच मैदान पर फूट-फूटकर रोने लगे

नई दिल्ली, 18 अगस्त। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी जिसके बाद वो टूट गए। इस दौरान वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे हाफ में 6 में से 5 गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे।इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलोगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल किए। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोल ने बेहतरी स्कोरलाइन को और मजबूत किया। नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया।

चीन में आयोजित हुआ रोबोड ओलंपिक्स, जहां रोबोट बने मुक्केबाज

नई दिल्ली, 18 अगस्त। चीन पूरी दुनिया में अपनी टेक्नोलॉजी और अनोखे कामों के लिए जाना जाता है। इस कड़ी में चीन में द वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स का आयोजन हुआ। जिसमें 16 देशों की 280 टीमों ने हिस्सा लिया। इस इवेंट में करीब 500 रोबोट्स ने टेबल टेनिस, फुटबॉल, बॉक्सिंग और एथलैटिक्स के कई गेम्स खेले जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी जुटे। वहीं ये आयोजन करीब 4दिन चला और रविवार को इसका समापन हुआ। दरअसल, दुनिया भर में रोबोट्स और आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस को लेकर उत्सुकता है। तेजी से रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और एआई का विकास हो रहा है। वहीं चीन ने इस मामले में भी छलांग लगाते हुए दुनिया को अचरज में डाल दिया है। चीन में हुए इस रोबोट ओलंपिक्स ने पूरी दुनिया को रोमांचित किया है। इस आयोजन को ह्यूमनॉयड रोबोट गेम्स नाम दिया गया है, जिसे रोबोट ओलंपिक्स भी कहा जा रहा है।अक्सर फुटबॉल मैदान पर दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो, मेसी, बेकहम जैसे खिलाड़ियों को गोल करते हुए देखा गया है। लेकिन इस बार चीन में रोबोट्स ने भी फुटबॉल मैच खेला। इस दौरान इनके दांव देखने वालों की भीड़ जमकर तालियां बजाती दिखीं।

जयपुर जिला सीनियर ओपन एवं गर्ल्स चयन शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर, 18 अगस्त। ज़ील चेस अकादमी द्वारा रॉयल जयपुर चेस क्लब एवं जयपुर जिला शतरंज संघ के सहयोग से आयोजित जयपुर जिला सीनियर ओपन एवं गर्ल्स चयन शतरंज प्रतियोगिता का

आयोजन पारिस्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस, मानसरोवर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में वरिष्ठ खिलाड़ियों ने शानदार प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन किया। ओपन वर्ग में अनुज चोमल प्रथम स्थान पर रहे, जबकि ओजस जोशी, मिलिंद गवाडे, गौरांश शर्मा और वीर कुमार क्रमशः द्वितीय से पंचम स्थान पर रहे। गर्ल्स वर्ग में आशी उपाध्याय विजेता रहीं, जिनके बाद नितीशा अग्रवाल, ध्रुवी शर्मा, भावना शर्मा और तारा शर्मा ने स्थान प्राप्त किए। विशेष पुरस्कारों में विरेंद्र नाथ श्रीवास्तव (श्रेष्ठ वेटरन), ऋषि चतुर्वेदी (श्रेष्ठ जेड सीए खिलाड़ी), डॉ. नीरा कटारिया (श्रेष्ठ महिला) और श्रिनिका परवाल (श्रेष्ठसीए गर्ल खिलाड़ी) को सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ग के शीर्ष 4 खिलाड़ी आगामी राज्य सीनियर शतरंज प्रतियोगिता में जयपुर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। पुरस्कार वितरण समारोह में आलोक चतुर्वेदी (प्राचार्य, पारिस्कार कॉलेज), मधु मेहता (कोषाध्यक्ष, जेडीसीए), अशोक चोमल (उपाध्यक्ष, जेडीसीए), तरुण शर्मा (टूर्नामेंट निदेशक) एवं रवि बजाज (निदेशक, रॉयल जयपुर चेस क्लब) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन खिलाड़ियों की प्रतिभा और समर्पण का सम्मान करते हुए गरिमामय वातावरण में हुआ।

बाबर को टी-20 विश्वकप में वापसी के लिए दो क्षेत्रों में करना होगा सुधार : हेसन

कराची, 18 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन ने कहा है कि अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप में जगह बनाने के लिए बाबर आजम को दो क्षेत्रों, स्पिन का सामना करने और स्ट्राइक रेट के मामले में सुधार करना होगा। हेसन ने सुझाव दिया कि अगर बाबर अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं, तो उन्हें दो अहम क्षेत्रों में सुधार करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पूर्व कप्तान दिसंबर और जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के घरेलू बिग बैश (बीबीएल) टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनके लिए यह मौका खुला रहेगा। हेसन ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि बाबर को स्पिन का सामना करने और स्ट्राइक रेट के मामले में कुछ क्षेत्रों में सुधार करने के लिए कहा गया है। वह इन चीजों पर काफी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन इस समय हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, उन्होंने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है।

द. अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित

केर्न्स, 18 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी हैं। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कल से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज के लिए किशोर तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को टीम में शामिल किया है। मफाका ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर 17 खिलाड़ियों की एकदिवसीय टीम में जगह बनाई है।

बीकानेर बना राजस्थान सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता विजेता

भीलवाड़ा, 18 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का सम्मान आज वीटी इंटरनेशनल स्कूल फुटबॉल मैदान पर सम्पन्न हुआ राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 16 अगस्त से 18 अगस्त तक चल रही सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम सेमीफाइनल मैच अजमेर वर्सेज झुंझुनू के बीच हुआ अजमेर 3- 0 से विजेता रही द्वितीय सेमीफाइनल मैच बीकानेर वर्सेज सीकर के बीच हुआ जिसमें बीकानेर ने 7- 1 से विजेता रही फाइनल में बीकानेर और अजमेर ने अपनी जगह बनाई है वहीं फाइनल मुकाबले में बीकानेर ने अजमेर को 2 - 1 से मात दे कर फाइनल का खिताब अपने नाम किया समापन समारोह में मुख्य अतिथि अकिन चौधरी विशिष्ट अतिथि प्रहलाद नुवाल कैलाश सोनी संपत कोठारी वही कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने की वही उन्होंने जिला फुटबॉल संघ के सचिव कैलाश चंद्र खटीक को बधाई देते हुए बताया कि प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी 8 सितंबर से अमृतसर पंजाब में आयोजित राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगी प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका योगेश वर्मा शंकर लाल जीनगर लोकेश बुनकर जगदीश बुनकर मिथिलेश मारू भेरू लाल जीनगर किशन गगराई अमर सिंह सेफान छिपा ने निभाई वही राजस्थान फुटबाल संघ के जिला संघों के अध्यक्ष व सचिव गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। महेंद्र सिंह बिजारणियां, रफीक अहमद, दिनेश सिंह, तीर्थ सांगा, शकील अहमद, हरिराम बिश्नोई।

7वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालक वर्ग में टोंक एवं बालिका वर्ग में बीकानेर टीम रही विजेता, बालिका वर्ग में जयपुर टीम उपविजेता

जयपुर, 18 अगस्त। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव के अनुसार राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं सीकर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के द्वारा 7वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता (बालक एवं बालिका वर्ग) का आयोजन दिनांक 15 अगस्त से 17 अगस्त 2025 तक खंडेला, सीकर में आयोजित किया गया। रविवार को बालक वर्ग में पहला सेमीफइनल मैच में बीकानेर ने सीकर को 35 17, 35-14 पॉइंट्स हराया और दूसरे सेमीफइनल मैच में टोंक ने जोधपुर को 35-23, 35-20 पॉइंट्स से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। बालिका वर्ग मे पहला सेमीफइनल मैच में बीकानेर ने चूरू को 35-26, 35-25 पॉइंट्स से हराया और दूसरे सेमीफइनल मैच में जयपुर ने दौसा को 35-14, 35-10 पॉइंट्स से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग के फाइनल मैच में टोंक ने बीकानेर को 35-24, 35-31 पॉइंट्स से हराया और विजेता रहा वही बालिका वर्ग के फाइनल मैच में बीकानेर ने जयपुर टीम को 35-23, 35-14 से हराया और बालिका वर्ग का ख़िताब जीता।

प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम : बालक वर्ग में टोंक प्रथम, बीकानेर द्वितीय, जोधपुर और सीकर तृतीय स्थान पर रहें। बालिका वर्ग में बीकानेर प्रथम, जयपुर द्वितीय, चूरू एवं दौसा तृतीय स्थान पर रहें। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बालिका वर्ग में बीकानेर से अनामिका और बालक वर्ग में टोंक से जयराम जाट रहें एवं सर्वश्रेष्ठ उभरते खिलाडी बालक वर्ग में बीकानेर से पवन एवं बालिका वर्ग में जयपुर की आमना रहीं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि ताराचंद घायल, उप जिला प्रमुख, सीकर, विशिष्ट अतिथि जिला खेल अधिकारी, सीकर प्रकाश राम गोदारा, विद्यालय निदेशक श्रवण कुमार नेहरा रहें। सभी अतिथियों ने समस्त विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा, महासचिव शौकत अली मन्सूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी, सीनियर महिला 20 ट्रॉफी व अंडर 19 ट्रॉफी

कुणाल सिंह राठौर, सलमान, मुकुल जयदीप सिंह के शतक

जयपुर, 18 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, सीनियर रणजी ट्रॉफी व अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी, राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता व राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- आरसीए सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी :- अंतिम दिन का स्कोर

के एल सैनी स्टेडियम - टीम जी पारी 241 आल आउट, टीम एच्पारी 286 /10, टीम जी दूसरी पारी 238/8, टीम के के लिए सलमान खान 131, देवांश 43 रन, टीम एच् के गेंदबाज सम्राट, सिंह, शुभम पटवालप्रत्येक 2 -2 विकेट।

अनंतम ग्राउंड- टीम डी पारी 351 आल आउट, टीम सी पारी 508 आल आउट, टीम के लिए कुणाल सिंह राठौर 107, जयदीप सिंह 115, हेमंत 52, रामनिवास गोलाडा 41, शोभित मिश्रा 41, युवराज सिंह 39 व राहुल 32 रन, टीम डी के गेंदबाज हेमंत कुमार 123/4, नीलेश टांक 97/3 व रामेश्वर लाल 2 विकेट।

सोनी ग्राउंड- टीम बी पारी 342 आल आउट, टीम ए पारी 372 आल आउट, टीम के लिए रोहनराजभर 93, दीपक कड़वासरा 55 रन, टीम बी के गेंदबाज हिमांशु नेहरा 77/4, अशोक शर्मा 100/2 व मो साद 91/3 विकेट।

जयपुरिया ग्राउंड - टीम पारी 519 आल आउट, टीम पारी 306/8, टीम के

लिए मुकुल चौधरी 111, अव्यांश 60, अंकुश 46, सचिन शर्मा 34 रन, टीम के गेंदबाज मोहित, दिव्य प्रताप, प्रद्युमन प्रत्येक 2 -2 विकेट।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता के मैचों का परिणाम- क्वाटर फाइनल मैच

आरसीए अकादमी चित्तोड़ - उदयपुर (चित्तोड़ 39 रन से जीती) चित्तोड़ पारी 97 /9 टीम के लिए सुमित्रा जाट 41 रन उदयपुर की गेंदबाज तमन्ना 20/3, ऋतू व प्रियांशी प्रत्येक 2 -2 विकेट उदयपुर पारी 58 आल आउट चित्तोड़ की गेंदबाज मीनाक्षी 15/3 व अनुष्का 5/2 विकेट

दौसा - झुंझनू मैच (दौसा 16 रन से जीती) दौसा पारी 104/5 टीम के लिए तनिका शर्मा 45 व तनीषा शर्मा 29 रन झुंझनू के गेंदबाज बबिता12/2 विकेट झुंझनू पारी 88 आल आउट टीम के लिए कंचन 17 रन दौसा की गेंदबाज सुमन 9/2 व याना 16/2 विकेट

राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता (दूसरे दिन पाली, टोंक जीती)

टोंक - बारां मैच (टोंक 8 विकेट से जीती) बारां पारी 123 आल आउट टीम के लिए विशेष 34 व तक्षिल 27 रन टोंक के गेंदबाज हादी खान 29/3 व आदित्य वाधवा 22/3 विकेट टोंक पारी 124 / 2 टीम के लिए अनस 56 व आदित्य वाधवा 45 रन

पाली - जैसलमेर पारी (पाली 3 रन से जीती) पाली पारी 214 आल आउट टीम के लिए हर्ष दगडी 79, मनन 40 रन जैसलमेर के गेंदबाज गुलाब सिंह 33 /4 व कुलदीप 45 /3 विकेट जैसलमेर पारी 211 आल आउट टीम के लिए मुदित व्यास 55, आयतुल्लाह 37 व चेतन 34 रन पाली के गेंदबाज अरविदं37 /3, करण 13 /2 विकेट।

राजस्थान में ''वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट'' को बढ़ावा दिया जायेगा-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स के जयपुर में आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये

जयपुर 18 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को खेलों के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए गांवों से लेकर कस्बों तक श्रेष्ठ खेल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने युवा मामले एवं खेल विभाग के अधिकारियों को ''खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025'' के सफल आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा मामले एवं खेल विभाग की बजट घोषणाओं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिये कि इस आयोजन की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाये तथा श्रेष्ठ सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन की रूप रेखा बनाई जाये।**

उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश-प्रदेश से हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ी शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन की तैयारियों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए और श्रेष्ठ सुझावों को समाहित करते हुए आयोजन की रूपरेखा बनाई जाए।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स से पूर्व की समयावधि में प्रदेशभर में पंचायत स्तर तक खेलों का अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। साथ ही, उपखण्ड एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य में विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने ''वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट'' की अवधारणा के तहत प्रत्येक जिले में एक खेल को विशेष रूप से बढ़ावा देने का फैसला किया है। इससे प्रदेश में अलग-अलग खेलों में बेहतरीन खिलाड़ी तैयार हो सकेंगे। उन्होंने प्रत्येक जिले में खेल विशेषज्ञों को संयोजक के रूप में नियोजित करने के संबंध में कार्यवाही करने के निर्देश दिए जो अपने जिले में प्रतिभाओं को तलाशेंगे। बैठक में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को युवा मामले एवं खेल विभाग की बजट घोषणाओं और ''खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स- 2025'' की कार्ययोजना की समीक्षा की।

पुतिन ने प्र.मंत्री मोदी को फोन किया

नई दिल्ली, 18 अगस्त। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया। फोन कॉल पर पुतिन ने पीएम मोदी को अलास्का में ट्रंप के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में पुतिन के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन को उनके फोन कॉल और अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद। भारत ने यूक्रेन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार आ ान किया है। इस संबंध में सभी प्रयासों का भारत समर्थन करता है। मैं आने वाले दिनों में हमारे निरंतर आदान-प्रदान की आशा करता हूं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक की थी। इस बैठक में यूक्रेन में युद्ध विराम को लेकर चर्चा की गई। हालांकि, इसमें रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति नहीं बनी।यह बैठक ऐसे वक्त में हुई थी जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और अमेरिका के कदम को अन्यायपूर्ण और बेतुका करार दिया था।

■ **अलास्का में ट्रंप के साथ हुई वार्ता के बारे में जानकारी दी।**

'भारत पर ''डबल पैनल्टी''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिस समय पर यह हुआ है वो भी महत्वपूर्ण है। यह बहस ऐसे समय हो रही है जब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मास्को के साथ रिश्तों को फिर से आकार देने की कोशिश कर रहे हैं। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी चर्चित बैठक से यूक्रेन को लेकर कोई ठोस नतीजा नहीं निकला, लेकिन ट्रंप ने इन वार्ताओं को ''10/10'' बताया और इसे रणनीतिक बदलाव की दिशा में कदम करार दिया। एक अन्य इंटरव्यू में उन्होंने यहां तक कहा कि वह सेकेंडरी सैंक्शन लगाने में देर कर सकते हैं: ''मुझे इस पर दो या तीन हफ़्तों तक सोचना पड़ सकता है... अगर मैं अभी सेकेंडरी सैंक्शन लगाता हूँ तो यह उनके लिए विनाशकारी होगा।''

ट्रंप ने यहां तक दावा किया कि भारत पर लगाए गए टैरिफ ने रूस को बातचीत के लिए मजबूर किया। उनका कहना था कि रूस को उसके दूसरे सबसे बड़े ग्राहक से वंचित करके वॉशिंगटन ने दबाव बनाया। लेकिन भारत ने इस दावे को नकार दिया और कहा कि रूस से उसका ऊर्जा व्यापार जारी है और मॉस्को का अमेरिका से संपर्क इससे जुड़ा हुआ नहीं है।

भारत के लिए यह दुविधा गंभीर है। एक ओर उसकी ऊर्जा सुरक्षा सस्ते तेल पर निर्भर है, और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल रियायती दरों पर मिल रहा है। दूसरी ओर, अमेरिकी टैरिफ बढ़ते व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा सहयोग को नुकसान पहुँचा रहे हैं। खासकर चीन से अलग तरह के बर्ताव ने नई दिल्ली में असंतोष बढ़ा दिया है।

वॉशिंगटन के लिए स्थिति और भी कठिन है। भारत को दंडित करके ट्रंप अपनी सख्ती दिखा सकते हैं, बिना वैश्विक तेल प्रवाह को बाधित किए, लेकिन इससे एक अहम रणनीतिक साझेदार दूर हो सकता है। वहीं, चीन को बख़्शने से वैश्विक कीमतें स्थिर रहती हैं, लेकिन अमेरिकी सैंक्शन नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो जाते हैं।

अंततः, यह नीति सिद्धांत और व्यावहारिकता के बीच फँसी हुई दिखती है। भारत को निशाना बनाकर और चीन को छोड़कर, वॉशिंगटन शायद अल्पकालिक राजनीतिक लक्ष्य हासिल कर ले, लेकिन इससे अपने सबसे अहम सहयोगी के साथ विश्वास कमजोर पड़ सकता है। जैसे ही ट्रंप मॉस्को से नज़दीकियाँ बढ़ा रहे हैं और चीन को सैंक्शन के घेरे से बाहर रख रहे हैं, भारत एक बार फिर दो बड़ी ताक़तों के बीच दबाव में आ गया है, जहां उसकी व्यावहारिकता को तो सज़ा मिल रही है, जबकि दूसरों को छूट।

अशोक गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टडी सर्कल में सक्रिय हैं और गहलोत के क़रीबी माने जाते हैं। ख़बर है कि गहलोत सोनिया गांधी से मुलाक़ात की कोशिश में गहलोत राजीव गांधी फ़ाउंडेशन का सहारा ले रहे हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनकी यह कोशिश एक बार फिर बेकार साबित हो सकती है। गहलोत के अब भी एआईसीसी में कई दोस्त मौजूद हैं जो उनकी मदद करने को तैयार हैं, लेकिन दुर्भाग्य से सोनिया गांधी और राहुल गांधी उनमें शामिल नहीं हैं।

जर्जर स्कूलों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में शिक्षा मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा, प्रमुख बाल कल्याण सचिव और राष्ट्रीय बाल आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है था। हाईकोर्ट की एक अन्य एकलपीठ ने स्कूल भवनों के हालातों को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया था।

अलास्का बैठक में ट्रम्प...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुतिन युद्धविराम और शांति के लिए नहीं मानते उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उन्होंने विश्व स्तर पर कोई द्वितीयक प्रतिबंध लागू नहीं किया है।

अब ट्रंप के पास एक ही विकल्प बचता है, यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की को रूस को पर्याप्त ज़मीनी रियायतें देने के लिए राज़ी करना, जिसमें क्रीमिया और डोनबास क्षेत्र के बड़े हिस्से शामिल हैं।

अगर किसी और वैकल्पिक शांति फॉर्मूले की गुंजाइश नहीं बनती, तो इस पूरी प्रक्रिया के रूसी राष्ट्रपति पुतिन प्रमुख विजेता के रुप में उभरते हैं। अमेरिका अपने पहले के रुख से पीछे हट गया है और लगभग वह सब कुछ मान रहा है जो रूस मांग रहा था। यहाँ तक कि वह यूक्रेन को भविष्य में सुरक्षा गारंटी देने के लिए रूस की सहमति भी चाह रहा है।

इसके बदले में, रूस यूक्रेन के बड़े भू-भाग, क्रीमिया (जो लंबे समय से विवाद का विषय रहा है), और यूक्रेन को स्थायी रूप से नाटो से बाहर रखने की मांग कर रहा है, हालांकि पुतिन को एक ही नुकसान हुआ, वह यूक्रेन की संप्रभु पहचान को पूरी तरह समाप्त नहीं कर सके। उनका मानना था कि यूक्रेन एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में रहने के लायक नहीं है।

कुछ पश्चिमी विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ने पुतिन को उस स्थिति में भी इनाम दे दिया, जब उन्होंने अमेरिकी युद्धविराम और शांति की समयसीमा को स्वीकार नहीं किया।

भले ही यूक्रेन में शांति स्थापित हो जाए, यह देखना बाकी है कि भारत-अमेरिका संबंधों को पहले जैसे सौहार्दपूर्ण स्तर पर कैसे लौटाया जा सकता है। यदि शांति समझौता होता है, तो भारत पर लगाए गए द्वितीयक प्रतिबंध निश्चित रूप से हटा लिए जाएंगे, लेकिन दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध - खासकर मोदी और ट्रंप के बीच कथित व्यक्तिगत संबंध - शायद ही पूरी तरह से बहाल हो पाएंगे। यूक्रेन में शांति के लिए भारत को कीमत चुकानी पड़ सकती है। लेकिन शायद यह कीमत वैश्विक मंच पर एक उच्च स्थिति प्राप्त करने के लिए चुकाना उचित कदम हो।

रिटायर्ड कैप्टन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्सप्रेस-हाईवे अंडरपास के पास कार रोकी। लोगों ने गांधी पथ क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई और नियमित जांच की मांग की है।

लोगों ने कार की फोटो खींचकर पुलिस को भेजी थी। इस आधार पर नंबर ट्रेस कर मालिक की पहचान की गई।

इण्डिया गठबन्धन मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक लोकसभा सांसद ने कहा, ''प्रस्ताव पारित होता है या नहीं, उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपना विरोध दर्ज कराएं।

सी ई सी सवालों का जवाब देने के बजाय विपक्ष पर उंगली उठा रहे हैं।'' इस बीच, राहुल गांधी ने आज कहा कि मतदाता सूचियों की पूनरीक्षण प्रक्रिया ''वोट चोरी'' का एक ''नया हथियार'' है और उन्होंने ''एक व्यक्ति, एक वोट'' के सिद्धांत की रक्षा करने का संकल्प लिया।

उन्होंने यह टिप्पणी अपने वॉट्सऐप चैनल पर एक पोस्ट में की, जहाँ उन्होंने उन लोगों से अपनी मुलाकात का ज़िक्र किया जिन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान किया था लेकिन बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान उनके नाम सूची से हटा दिए गए। कांग्रेस नेता ने रविवार को बिहार के सासाराम में अपनी वोट अधिकार यात्रा के शुभारंभ के दौरान इस समूह से मुलाकात की।

उन्होंने हिंदी में पोस्ट करते हुए लिखा, एस आई आ '' वोट चोरी का नया हथियार है। संयोग से, इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े ये लोग इस चोरी के जीते-जागते सबूत हैं।''

उन्होंने कहा, ''इन सभी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था - लेकिन जब बिहार विधानसभा चुनाव आए, तो इनके नाम, इनकी पहचान, इनका अस्तित्व भारतीय लोकतंत्र से मिटा दिया गया।''

उन्होंने पूछा, ''क्या आप जानते हैं ये लोग कौन हैं? ये हैं - राज मोहन सिंह (70); किसान और सेवानिवृत्त सैनिक उमरावती देवी (35); दलित और मजदूर; धनंजय कुमार बिंद (30); पिछड़ा वर्ग और मजदूर; सीता देवी (45); महिला और पूर्व मनरेगा मजदूर; राजू देवी (55); पिछड़ा वर्ग और मजदूर मोहम्मद अंसारी (52); अल्पसंख्यक और मजदूर''।

राहुल गांधी ने कहा, ''भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत इन्हें बहुजन और गरीब होने की सजा दे रही है - यहाँ तक कि हमारे सैनिकों को भी नहीं बख्शा है।

उन्होंने कहा, ''अब इनके पास न तो वोट होगा, न पहचान और न ही अधिकार।''

सामाजिक भेदभाव और बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण वे व्यवस्था की साजिश के खिलाफ लड़ने में असमर्थ हैं।

हम यहां उनके साथ खड़े हैं ताकि एक व्यक्ति, एक वोट के सबसे बुनियादी अधिकार की रक्षा कर सकें।''

राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी ने बिहार के औरंगाबाद में देवकुंड सूर्य मंदिर में पूजा की, जब उनकी वोट अधिकार यात्रा अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर रही थी।

कटुंबा से यात्रा शुरू होकर यह सोमवार शाम गया पहुंचेगी। यह यात्रा 16 दिन बाद एक सितंबर को पटना में एक रैली के साथ समाप्त होगी यह यात्रा पैदल और वाहन दोनों माध्यमों से हाइब्रिड मोड में की जा रही है, ठीक वैसे ही जैसे लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की थी।

यात्रा औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, छपरा और आरा से गुजरेगी। रविवार को, ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के अन्य सदस्यों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और राहुल को दो विकल्पों की बात दोहराई।

आपको या तो शपथपत्र देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।

यदि सात दिनों के भीतर शपथपत्र नहीं दिया गया, तो इसका मतलब है कि आरोप निराधार हैं, कुमार ने कहा 7 अगस्त को, राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक लोकसभा सीट के अंतर्गत एक विधानसभा क्षेत्र से एकत्रित आंकड़ों के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश की थी कि कैसे मतदाता सूची में हेरफेर की जा रही है उन्होंने कहा इसका उद्देश्य भाजपा को फायदा पहुंचाना बताया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908